छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 89 बैकुंठपुर, शुक्रवार 02 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

नव वर्ष 2026 की उम्मीदों को सलाम

अंबिकापुर। एक जनवरी 2026 की सुबह उदीयमान सूर्य का आकर्षक नजारा देखने को मिला। छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन परिवार की ओर से सभी को नए वर्ष की अनन्त बधाई और शुभकामनाएं, इस कामना के साथ ''बड़े-बुजुर्गों का हाथ हो, अपनों का साथ हो, और खुशियों की बरसात हो। 2026 आप सभी के लिए मंगलमय हो। बीते साल की कड़वाहट को भूलकर, आइए नए साल की शुरुआत एक नई उम्मीद के साथ करें। नया साल सिर्फ तारीख नहीं, नई शुरुआत का नाम है। जो बीत गया उसे सीख बना लो, और जो आने वाला है उसे उम्मीद। नया साल वही है जो दिल में नई रोशनी जगा दे। हर नया साल खुद को थोड़ा और बेहतर बनाने का मौका देता है। नए साल में सपनों को हौसलों का साथ मिले, बस यही काफी है।''

चारपाई में शव लेकर 5 किलोमीटर चले ग्रामीण, कराया पोस्टमॉर्टम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क सुविधा के अभाव में ग्रामीणों को मृतक का शव खाट पर रखकर लगभग 5 किलोमीटर दूर पैदल सड़क मार्ग तक ले जाना पड़ा। मामला सरगुजा जिले के सीतापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भारतपुर के लकरालता टोला का है। पोस्टमार्टम के बाद स्वजन पुन: शव को खाट में लेकर गांव तक पहुंचे, और अंतिम संस्कार किया। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को उजागर कर रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने कहा कि लोग एंबुलेंस के अभाव में चारपाई पर अपनों का देह ले जाने मजबूर हैं।

जानकारी के मुताबिक भारतपुर-लकरालता का सुरेन्द्र तिर्की 45 वर्ष, 29 दिसंबर से लापता था। शव 31 दिसंबर को लकरालता, चीनीपानी तालाब में मिला था। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाना था, लेकिन सड़क की कमी आड़े आई और मृतक के शव को ग्रामीण चारपाई में ढोकर ले गए, और पोस्टमार्टम के बाद वापस गांव लेकर आए। स्वजन के अनुसार, सुरेन्द्र मछली पकड़ने के लिए तालाब गया था, इसी दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। शव मिलने के बाद पुलिस द्वारा मर्ग पंचनामा की कार्रवाई की। इसके बाद शव को गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में पोस्टमार्टम के लिए ले जाना था। भारतपुर पंचायत तक सड़क बनी हुई है, लेकिन लकरालता टोला तक सड़क का अभाव है। इस वजह से शव वाहन गांव तक नहीं पहुंचा। मजबूरन स्वजन ग्रामीणों की मदद से खाट परर शव रखकर पैदल लेकर ग्राम भारतपुर तक पहुंचे। यहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए सीतापुर शव वाहन से ले जाया गया। पोस्टमार्टम के बाद भी शव को घर तक ले जाने में इसी प्रकार की परेशानी का सामना स्वजन को करनी पड़ी। लकरालता टोला पहाड़ी पर बसा हुआ है, जो कि वन विभाग की कच्ची सड़क है। उक्त टोले पर 14 से 15 परिवार रहते हैं। सड़क नहीं होने के कारण लकरालता में वाहनों की पहुंच नहीं हो पाती है। बीमार पड़ने या किसी का शव लाने-ले जाने में लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चारपाई पर अपनों का देह ले जाने मजबूर

शव खाट पर ढोने का वीडिया इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि ये है तथाकथित चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की सच्चाई। छत्तीसगढ़ में लोग एंबुलेंस के अभाव में चारपाई पर अपनों की देह ले जाने को मजबूर हैं। यह कोई अपवाद नहीं, यह मोदी सरकार के विकास के खोखले दावों की जमीनी हकीकत है, जो जनता की पीड़ा को उजागर करती है।

> ग्राम लकरालता तक सड़क निर्माण की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है, इसका भूमिपूजन भी किया जा चुका है। सड़क का निर्माण जल्द शुरू होगा।
>
> **रामकुमार टोप्पो**
> **विधायक सीतापुर**

अलविदा 2025 के मौके पर 93 लाख की शराब पी गए शौकीन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अलविदा 2025 और स्वागत और देर रात नव वर्ष 2026 की बेला में हुई पार्टियों में सरगुजा के शराब के शौकीन एक दिन में 93 लाख की शराब पी गए। जिम्मेदारों का कहना है कि पिछले वर्ष के वनिस्पत इस वर्ष करीब 35 प्रतिशत अधिक शराब की बिक्री हुई है।

बता दें कि सरगुजा जिले में गांधी चौक पर स्थित प्रीमियम शराब दुकान सहित कुल 9 शराब दुकानें हैं। इन सभी में 31 दिसम्बर को ही 93 लाख रुपये की शराब की बिक्री हुई है। सबसे ज्यादा शराब की बिक्री गांधी चौक स्थित प्रीमियम शराब दुकान में हुई, यहां पूरी बिक्री का 20 प्रतिशत शराब बेचा गया है।

जिला आबकारी अधिकारी एल. के. गायकवाड़ ने बताया कि जिले की सभी 9 शराब दुकानों को मिलाकर 31 दिसम्बर को 93 लाख 30 हजार 800 रुपये की शराब बिक्री हुई है, जिसमें से गांधी चौक स्थित शराब दुकान से अकेले 18 लाख 93 हजार रुपये की शराब मदिरा प्रेमियों ने खरीदी है। इस प्रीमियम शराब दुकान में केवल 1000 रुपये मूल्य से अधिक का ही शराब मिलता है। छोटी बोतलों में यहां शराब की बिक्री नहीं होती है। पिछले वर्ष नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जिले भर में कुल 68 लाख की शराब बिकी थी, इस हिसाब से इस वर्ष हुई शराब की बिक्री करीब 35 प्रतिशत ज्यादा है।

डिजिटल टोकन व्यवस्था से धान विक्रय हुआ आसान, किसानों को मिल रहा लाभ

तुहंर टोकन ऐप से 24/7 टोकन काटने की मिली सुविधा, धान का मिला सर्वाधिक दाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों पर शासन द्वारा की गई सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी व्यवस्थाओं का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सुगम एवं समयबद्ध हो गई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है। अंबिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत भकुरा के निवासी मध्यम वर्ग के किसान अभिषेक पैकरा ने बताया कि वे धान विक्रय के लिए नामनी किसान हैं, उनके पिता उदय कुमार पैकरा हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होने से धान की पैदावार बेहतर रही है। कुल 217 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने मोबाइल फोन पर तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से पहला टोकन 119.60 क्विंटल के लिए काटा है। उन्होंने बताया कि मोबाइल आधारित टोकन प्रणाली से किसानों को अब उपार्जन समितियों में अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। घर बैठे टोकन कट जाने से समय, श्रम एवं आर्थिक संसाधनों की बचत हो रही है। यह व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है और किसानों के लिए सुविधाजनक सिद्ध हो रही है। परसा धान उपार्जन केन्द्र पहुंचने पर गेट पास, नमी परीक्षण एवं बारदाना वितरण की प्रक्रिया तत्काल पूर्ण की गई। केंद्र में किसानों के लिए पेयजल, बैठने तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे धान विक्रय की प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सकी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के शासन में किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी से किसानों की आय में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि वे अपने खेतों में गेहूं, तिलहन एवं सब्जी जैसी अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी बढ़ी है। कृषक श्री पैकरा ने कहा कि वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था सराहनीय है, जिससे वे संतुष्ट हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धान खरीदी व्यवस्था किसान हितैषी है, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है।

दुकानों के आबंटन हेतु शील्ड ऑफर आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर के स्वामित्व की गांधी स्टेडियम के समीप पूर्व में संचालित अग्निशामक केन्द्र में भूतल पर बनी दुकानों का आबंटन निर्धारित प्रीमियम तथा मासिक किराये पर करने के लिए शील्ड ऑफर आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक द्वारा 15 जनवरी को अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित प्रारूप में शील्ड ऑफर जमा कर सकते हैं। प्राप्त ऑफर 15 जनवरी को उपस्थित ऑफरदाताओं के समक्ष अपरान्ह 4.30 बजे खोले जाएंगे। 13 जनवरी 2026 तक ऑफर प्रपत्र का निर्धारित शुल्क भुगतान उपरान्त निगम के राजस्व कार्यालय केदारपुर स्थित प्रशासनिक भवन के राजस्व शाखा से ऑफर प्रपत्र प्राप्त किए जा सकते हैं। ऑफर प्रपत्र के साथ निगम का कोई बकाया नहीं प्रमाण-पत्र एवं जमा अमानत राशि बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक, जो आयुक्त नगर पालिक निगम अंबिकापुर के पक्ष में देय हो, संलग्न करना अनिवार्य होगा। अपूर्ण एवं बिना अमानत राशि जमा किए तथा निर्धारित तिथि एवं समय अवधि समाप्ति के पश्चात तथा निर्धारित प्रीमियम से कम प्रीमियम राशि का कोई भी ऑफर स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। प्राप्त ऑफर को किसी भी स्तर पर स्थगित करने या स्वीकृत, अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार आयुक्त, महापौर नगर पालिक निगम अंबिकापुर के पास सुरक्षित होगा।

कलेक्टर ने शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया नव वर्ष

व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने वर्ष का पहला दिन शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया। उन्होंने गुरुवार को अंबिकापुर में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदता बालिकाओं के विशेष विद्यालय पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की तथा कुशलक्षेम जाना। कलेक्टर ने विद्यालय में क्लास रूम, शयन कक्ष, रसोई का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को बच्चों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने, मेन्यू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने स्थापना, बजट, स्टाफ की उपलब्धता, शासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं ताकि वो अपने दैनिक कार्य स्वयं कर सकने में सक्षम हों। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि आवासीय विद्यालय में 50 की क्षमता है, वर्तमान में यहां 24 बच्चियां हैं। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को निर्देशित किया कि जिले के अन्य दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विद्यालय में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने उप संचालक समाज कल्याण को निर्देशित किया।

वृद्ध का अकड़ा हुआ शव मिला, ठंड से मौत की संभावना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गुरूवार को सुबह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम श्रीगढ़ में पुआल में एक वृद्ध व्यक्ति का शव अकड़ा हुआ मिला। मृतक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। वृद्ध की मौत ठंड से होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चलेगा।

विश्वविद्यालय की घोर लापरवाही से परीक्षा हॉल में डेढ़ घंटे बैठे रह गए छात्र

बी.कॉम की परीक्षा के लिए विवि समय पर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने में रहा नाकाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की संवेदनहीनता और अक्षम कार्यप्रणाली के कारण बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की परीक्षा देने पहुंचे छात्रों को घंटों खाली मेज-कुर्सी ताकनी पड़ी। विश्वविद्यालय प्रशासन की इस चूक ने न केवल छात्रों के भविष्य को संकट में डाला, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। आजाद सेवा संघ के रचित मिश्रा ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा शिक्षा केंद्र है, इसके अंतर्गत लगभग 90 महाविद्यालय संचालित होते हैं। जो अव्यवस्था आज विश्रामपुर महाविद्यालय में देखने को मिली है, प्रबल आशंका है कि संभाग के अन्य महाविद्यालयों में भी यही स्थिति निर्मित हुई होगी। यह कोई छोटी मानवीय भूल नहीं, बल्कि परीक्षा विभाग की प्रणालीगत विफलता है। विश्वविद्यालय प्रशासन को अन्य केंद्रों की स्थिति स्पष्ट करने का साहस दिखाना चाहिए। बताया जा रहा है कि परीक्षा केंद्र में गुरूवार को सुबह 9 बजे से निर्धारित परीक्षा के लिए छात्र समय पर केंद्र पहुंच गए थे, लेकिन विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराने में पूरी तरह नाकाम रहा। सुबह 10.30 बजे तक छात्र बिना प्रश्न-पत्र के मानसिक तनाव में बैठे रहे, जो विवि के परीक्षा विभाग की शर्मनाक और बड़ी चूक है। जब परीक्षा में डेढ़ घंटे विलंब हो गया था, तो परीक्षा को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए था। इतने लंबे इंतजार के बाद छात्रों की मानसिक स्थिति ऐसी नहीं रही होगी कि वे एकाग्र होकर उत्तर लिख सकें। संघ के रचित मिश्रा का आरोप है कि आधे-अधूरे मन से परीक्षा संपन्न कराकर विश्वविद्यालय अपनी विफलता को ढंकने का प्रयास किया है। ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों के लिए यह देरी मुसीबत बन गई। अधिकारी बंद कमरों में बैठकर छात्रों का दर्द नहीं समझ सकते। डेढ़ घंटे की देरी के कारण छात्रों की घर वापसी वाली बसें छूट गईं, जिससे उन्हें निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा।

आजाद सेवा संघ ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच और परीक्षा विभाग के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही सवाल किया है कि छात्रों को हुई मानसिक और आर्थिक नुकसान की भरपाई कौन करेगा? विश्वविद्यालय प्रशासन के कार्यशैली में सुधार नहीं आने और जवाबदेही तय नहीं किए जाने पर छात्रहित में उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है।

जिले में अब तक 1206976.80 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 1206976.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, साथ ही 89730 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

जिले के 49 धान उपार्जन केन्द्र जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 19474 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 13170, कुसमी में 22864.80, जवाहरनगर में 12942.80, कामेश्वरनगर में 51555.60, कोदवा में 6830.40, गोपालपुर में 18271.60, भेंडरी में 10571.60, चांदों में 38945.60, जमड़ी में 49993.20, जिगड़ी में 11498.40, जोकापाट में 6375.60, डूमरपान में 27061.60, डिण्डों में 34280.40, डीपाडीह में 16124.80, डोंगरो में 16536.80, गांजर में 11403.20, त्रिकुण्डा में 32114, बगरा में 19783.60, तातापानी में 24680, धंधापुर में 34779.60, डौरा में 21340, पस्ता में 12826, बड़कागांव में 35623.20, बरतीकला में 31484, बरदर में 21257.60, आरा में 11096.40, बरियो में 31247.20, बलंगी में 21198.40, बलरामपुर में 37050.40, बसंतपुर में 32740, भुलसीकला में 11017.60, भंवरमाल में 38765.20, रामानुजगंज 24540, महाराजगंज में 41209.20, महावीरगंज में 20206, विजयनगर में 34431.20, रघुनाथनगर में 23970, रनहत में 22176.80, राजपुर में 48241.60, दोलंगी में 19038, रामचन्द्रपुर में 18198, रामनगर में 31978, वाड्रफनगर में 20409.60, स्याही में 20527.20, विरेन्द्रनगर में 36298, सरना में 25267.20, सेवारी में 28205.60 एवं सामरी में 7376.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

धान खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने कुसमी पहुंचे कलेक्टर-एसपी

★ विभिन्न उपार्जन केन्द्रों व चेकपोस्टों का किया औचक निरीक्षण

★ अवैध धान पर कड़ी निगरानी रखने दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए जिले के कृषकों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। धान के अवैध परिवहन, भंडारण एवं कोचियों व बिचौलियों द्वारा धान के अवैध विक्रय के प्रयासों पर रोक लगाने हेतु प्रशासनिक अमला सक्रियता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा तथा पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने विकासखंड कुसमी के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों एवं चेक पोस्टों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने विकासखंड कुसमी के धान खरीदी केन्द्र चांदो, सामरी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र समिति प्रबंधक से चर्चा कर टोकन, अब तक हुए धान खरीदी की मात्रा एवं धान उठाव की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक से कहा कि बिचौलियों व कोचिए अपना धान न बेच पाये इस पर सतत निगरानी रखे। उन्होंने खरीदी केन्द्र में बारदानों की उपलब्धता, स्टेंसिल को सही स्थान पर लगाने, बारदाने में निर्धारित मात्रा में धान का भराव के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने धान विक्रय करने में कृषकों को कोई परेशानी न हो यह सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने धान के उठाओ की जानकारी लेते हुए उपस्थित अधिकारी को धान का शीघ्र उठाव करने के निर्देश दिये ताकि धान खरीदी सुचारू रूप से हो सके।

इस दौरान उन्होंने केन्द्र में समर्थन मूल्य पर धान बेचने आये किसानों से चर्चा कर टोकन, किसान किताब पर्ची सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने तराजू एवं नमी मापक यंत्र, बारदाना पंजी, खरीदी पंजी का अवलोकन कर उचित संधारण करने के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा कर धान के अवैध परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने तथा आवश्यकतानुसार पुलिस का सहयोग लेने की बात कही।

कलेक्टर एवं एसपी ने अमटाही व कोरोंधा चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने अमटाही व कोरोंधा चेकपोस्ट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेकपोस्ट में तैनात कर्मचारियों से बात की और किसी भी प्रकार की संदेहास्पद गतिविधि होने पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर ने कर्मचारियों को लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिये और वाहनों का सघन जांच करने को कहा। उन्होंने कहा कि बिचौलियों के किसी भी प्रयास को विफल करना हमारा प्राथमिक उद्देश्य है।

72 वाहन एवं 14 हजार क्विंटल से अधिक अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के नेतृत्व में जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है, जहां 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। प्रशासन द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष फोकस करते हुए संयुक्त दलों के माध्यम से नियमित जांच की जा रही है। इसी कड़ी में अब तक जिले में कुल 115 प्रकरण में 14,106.49 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त 62 चार पहिया तथा 10 दोपहिया सहित कुल 72 वाहनों को जब्त किया गया है।

कोल सेक्टर में लेबर कोड के साए में समझौता 12 पर अनिश्चितता का बादल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला उद्योग में काम कर रहे लाखों श्रमिकों के जीवन से जुड़ा सबसे अहम दस्तावेज कोयला वेतन समझौता एक बार फिर बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। 30 जून को जैसे ही कोयला वेतन समझौता 11 की अवधि समाप्त होगी, उसी क्षण 1 जुलाई से कोयला वेतन समझौता 12 की घड़ी शुरू हो जाएगी। लेकिन इस बार सवाल केवल वेतन वृद्धि या भत्तों का नहीं है, बल्कि पूरे कोल सेक्टर की औद्योगिक व्यवस्था, यूनियन की भूमिका और मजदूरों के अधिकारों को लेकर गहरी अनिश्चितता व्याप्त है। चार नए लेबर कोड लागू होने के बाद पहली बार कोयला वेतन समझौता होने जा रहा है और यही वजह है कि कोयलांचल से लेकर दिल्ली तक बैठकों, चर्चाओं और रणनीतियों का दौर तेज हो चुका है। चार लेबर कोड में वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता का उद्देश्य भले ही श्रम कानूनों को सरल बनाना बताया गया हो, लेकिन ट्रेड यूनियन इसे लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। यूनियन नेताओं का कहना है कि औद्योगिक संबंध संहिता में यूनियन की मान्यता, सामूहिक सौदेबाजी और विवाद निपटारे की प्रक्रिया को जिस तरह परिभाषित किया गया है, वह कोल सेक्टर की पारंपरिक जेबीसीसीआई व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, यही कारण है कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि वेतन समझौता 12 अब भी जेबीसीसीआई के माध्यम से ही होगा या फिर वेतन समझौते की दशकों पुरानी प्रक्रिया इतिहास बन जाएगी।

ज्ञात हो कि कोयला वेतन समझौता 11 की अवधि 1 जुलाई 2021 से 30 जून 2026 तक है। इस दौरान कोल सेक्टर में बड़े बदलाव हुए। वर्ष 2021 में कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों में कुल मैनपावर 259016 था, जो कि नवंबर 2024 तक यह घटकर 214909 रह गया है। इनमें से करीब 14980 अधिकारी एग्जीक्यूटिव हैं। यानी आने वाला वेतन समझौता लगभग दो लाख से कम नन एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों की आजीविका, भत्तों और सामाजिक सुरक्षा से सीधे जुड़ा होगा। यूनियन नेताओं का कहना है कि घटते मैनपावर के कारण काम का दबाव बढ़ा है लेकिन उसके अनुपात में वेतन और सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। इस बार वेतन समझौता 12 को केवल वेतन संशोधन के तौर पर नहीं देखा जा रहा। इसमें कार्य घंटे, पदोन्नति और पद वर्गीकरण, जोखिम भत्ता, सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठने वाले हैं।

यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि यदि लेबर कोड के नाम पर इन अधिकारों में कटौती की गई, तो इसका सीधा विरोध किया जाएगा। कोयलांचल में चर्चा यह भी है कि लेबर कोड और प्रक्रिया में बदलाव के कारण वेतन समझौता 12 में देरी हो सकती है। यदि ऐसा हुआ तो लाखों कर्मचारियों को महंगाई के दौर में बड़ा झटका लगेगा। ट्रेड यूनियन नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि बातचीत में मजदूर हितों की अनदेखी हुई तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। एक ओर प्रबंधन लेबर कोड के अनुरूप नई व्यवस्था लागू करने की बात कर रहा है, वहीं यूनियनें चाहती हैं कि कोल सेक्टर की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अलग प्रावधान किए जाएं।

दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस अब 20 मिनट विलंब से होगी रवाना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 1 जनवरी से यात्री ट्रेनों की समय-सारिणी में आंशिक परिवर्तन किया गया है। इस बदलाव के तहत अंबिकापुर-अनूपपुर-अंबिकापुर एवं दुर्ग सेक्शन से संचालित तीन ट्रेनों के समय में मामूली संशोधन किया गया है।

नए समय-सारिणी के अनुसार दुर्ग से अंबिकापुर चलने वाली दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18241 अब दुर्ग से 20 मिनट विलंब से रवाना होगी। पूर्व में यह ट्रेन प्रतिदिन रात्रि 8.45 बजे दुर्ग से प्रस्थान करती थी, जबकि संशोधित समय के अनुसार अब यह ट्रेन रात्रि 9.05 बजे दुर्ग से अंबिकापुर के लिए रवाना होगी। इसी प्रकार अंबिकापुर-शहडोल मेमू ट्रेन संख्या 68750 अब अंबिकापुर से 10 मिनट विलंब से चलेगी। यह ट्रेन पहले दोपहर 12.20 बजे रवाना होती थी, जो अब दोपहर 12.30 बजे अंबिकापुर से शहडोल के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं अंबिकापुर-अनूपपुर मेमू ट्रेन संख्या 68758 अब प्रतिदिन शाम 6 बजे के स्थान पर 6.10 बजे अंबिकापुर से अनूपपुर के लिए रवाना होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 1 जनवरी से बिलासपुर रेल मंडल में संचालित 55 एक्सप्रेस सहित कुल 8 पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन समय में भी आंशिक बदलाव किया गया है। यह बदलाव 10 मिनट से लेकर अधिकतम 25 मिनट तक का है। रेलवे की संशोधित नई समय-सारिणी 1 जनवरी से प्रभावशील हो गई है।

सरगुजा ओलंपिक : तीन चरणों में आयोजित होगी प्रतियोगिता

15 जनवरी से विकासखण्ड स्तरीय खेल का शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल क्षेत्र में युवाओं को उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचान कर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने हेतु सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में कुल 12 खेलों के खेल प्रतियोगिताएं विकासखंड जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित किए जायेंगे।

जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित होगी प्रतियोगिताएं

प्रतियोगिता में 12 खेलों में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर लंबी कूद, ऊंची कूद शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, रिले रेस, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल, बास्केटबाल, रस्साकशी केवल महिला सीनियर वर्ग के लिए, जिला स्तर पर हॉकी एवं कुश्ती की प्रतियोगिता की जानी है। ओलंपिक खेल आयु वर्ग अनुसार दो वर्गों में आयोजन किया जाएगा जिसमें जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष एवं सीनियर वर्ग में 17 से अधिक उम्र के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे।

खेल में शामिल होने 12 जनवरी तक कराएं पंजीयन

प्रतिभागी 12 जनवरी 2026 तक पंजीयन करा सकते हैं। तत्पश्चात 15 जनवरी से 18 जनवरी 2026 के मध्य विकासखंड स्तरीय, 22 जनवरी से 25 जनवरी तक जिला स्तरीय एवं 28 जनवरी से 31 जनवरी के मध्य संभाग स्तरीय खेल का आयोजन किया जाएगा। सरगुजा ओलंपिक में शामिल होने पंजीयन प्रक्रिया ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों पद्धति से किए जाने की सुविधा प्रदान की गई है।

तीनों चरणों में विजेता प्रतिभागियों को किया जाएगा सम्मानित

सरगुजा ओलंपिक में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मोमेंटो, शील्ड, नगद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मेरिट प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत विधा में मोमेंटो, दलीय विधा में शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं निर्धारित नगद राशि एवं मोमेंटो शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी को प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत विधा में 5000 एवं दलीय विधा में 10000 की राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत विधा में 3000 एवं दलीय विधा में 6000 प्रदान की जाएगी। तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत विधा में 2000 एवं दलीय विधा में 4000 की राशि प्रदान की जाएगी।

विकासखण्ड स्तरीय आयोजन समिति का गठन

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने सरगुजा ओलंपिक के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजन हेतु विकासखंड स्तरीय आयोजन समिति का गठन किया है। जिसके अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अध्यक्ष, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सदस्य-सचिव, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी, मंडल संयोजक आदिम जाति अनुसूचित जनजाति विकास विभाग, विकासखंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी स्कूल शिक्षा, उप अभियंता लोक निर्माण विभाग, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सदस्य होंगे।

बिश्रामपुर कॉलेज में डेढ़ घंटे विलंब से मिला प्रश्न पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संत गहिरा गुरु विवि सरगुजा के परीक्षा विभाग की असंवेदनशील कार्यप्रणाली ने गुरुवार को परीक्षा व्यवस्था पर ऐसा गहरा दाग छोड़ा, जिसे लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकेगा। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की निर्धारित परीक्षा देने शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर पहुंचे छात्र सुबह से ही केंद्र में मौजूद थे, लेकिन परीक्षा कक्षों में प्रश्न-पत्रों के अभाव में उन्हें घंटों तक खाली मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी। बताया जा रहा है कि सुबह 9 बजे शुरू होने वाली परीक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन की भारी चूक की वजह से डेढ़ घंटे बाद शुरू हो सकी। आजाद सेवा संघ के रचित मिश्रा ने इस घटना को प्रणालीगत विफलता करार देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा शैक्षणिक केंद्र है, जिसके अंतर्गत लगभग 90 महाविद्यालय संचालित होते हैं। यदि शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में ऐसी अव्यवस्था हो सकती है, तो आशंका है कि संभाग के अन्य केंद्रों में भी यही हाल रहा होगा। यह कोई साधारण मानवीय भूल नहीं,

बल्कि परीक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन अन्य केंद्रों की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने का साहस दिखाएगा। गौरतलब है कि शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में नए वर्ष के दिन बीकॉम तृतीय सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की परीक्षा का समय सुबह 9 बजे तय था, लेकिन 10.30 बजे तक छात्र बिना प्रश्न-पत्र के बैठे रहे। डेढ़ घंटे की यह देरी न केवल अनुशासनहीनता का प्रमाण बनी, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास पर भी गहरा आघात पहुंचा। रचित मिश्रा ने मांग है कि जब परीक्षा में डेढ़ घंटे का विलंब हो चुका था, तो नियमों के अनुसार उसे तत्काल रद्द किया जाना चाहिए था। मिश्रा ने कहा कि इतने लंबे इंतजार के बाद छात्र मानसिक रूप से परीक्षा देने की स्थिति में नहीं रहते। आधे-अधूरे मन से कराई गई परीक्षा विश्वविद्यालय की गलती पर पर्दा डालने की कोशिश है। घटना का सबसे बड़ा खामियाजा ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों को भुगतना पड़ा। मिश्रा ने कहा कि अधिकारी बंद कमरों में बैठकर छात्रों की समस्याओं को नहीं समझ सकते, जबकि मैदान में छात्रों को मानसिक और आर्थिक दोनों तरह का नुकसान उठाना पड़ा। आजाद सेवा संघ ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संघ ने सवाल उठाया कि छात्रों को हुए मानसिक तनाव और आर्थिक क्षति की भरपाई कौन करेगा। रचित मिश्रा ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द ही जवाबदेही तय नहीं की और परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं किया, तो छात्र हितों की रक्षा के लिए संघ उग्र आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेगा। यह घटना न केवल एक परीक्षा की विफलता है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

नई ऊर्जा, नई उम्मीद- कलेक्टर की जिलेवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने नववर्ष के अवसर पर

समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया वर्ष नई उम्मीदों, संकल्पों और संभावनाओं का प्रतीक है। आइए हम सब मिलकर जिले को और अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं समृद्ध बनाने का संकल्प लें।

कलेक्टर ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने तथा मदिरापान से दूर रहकर सुरक्षित वातावरण में नववर्ष मनाने की अपील की। विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अधिकारियों-कर्मचारियों से नई ऊर्जा के साथ दायित्व निर्वहन तथा नागरिकों से एकता और सहभागिता के साथ जिले के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

नववर्ष पर कलेक्टर ने किया संयुक्त जिला कार्यालय का भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नववर्ष 2026 के प्रथम दिवस कलेक्टर एस.

जयवर्धन ने संयुक्त जिला कार्यालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी जिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद करते हुए नववर्ष में और अधिक समर्पण, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचे। कलेक्टर ने समयबद्ध कार्य निष्पादन, आपसी समन्वय और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया।

38.07 लीटर अवैध देशी मदिरा जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी श्री एस.एन. साहू के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के भंडारण एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब जब्त किया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि चौकी रघुनाथनगर के अंतर्गत ग्राम जोरही, श्री संदीप कुमार के पास से उत्तरप्रदेश राज्य के बिक्री के बियर - 6.5 लीटर, विदेशी मदिरा - 2.37 लीटर, देशी मदिरा - 4.2 लीटर, महुआ शराब - 25 लीटर, कुल मात्रा - 38.07 लीटर मदिरा जब्त किया गया। उक्त आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम

के तहत अपराध प्रकरण कायम कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस दौरान आबकारी उपनिरीक्षक चन्द्रदीप भगत, आबकारी मुख्य आरक्षक गिरजा शंकर शुक्ला सहित टीम मौजूद रही।

जिला आबकारी अधिकारी श्री साहू ने बताया है अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन तथा सार्वजनिक जगहों पर मदिरापान और राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों के किनारे संचालित होटल, ढाबा में शराब रखने, पीने एवं पिलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। साथ ही आबकारी अधिकारी ने बताया है कि अवैध मदिरा के संबंध में आबकारी नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 07831-299241 एवं टोल फ्री नम्बर 14405 पर सूचित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं गणित दिवस पर कन्या विद्यालय में हुआ कार्यशाला का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बीते बुधवार को राष्ट्रीय विज्ञान एवं गणित दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में विज्ञान एवं गणित विषयों के प्रति रुचि विकसित करना तथा नवाचारी शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ आगामी दिवस में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में विज्ञान एवं गणित के विषय से संबंधित विज्ञान प्रदर्शनी, पोस्ट निर्माण, रंगोली एवं क्विज के आयोजन को जिला स्तर पर संचालित करने से संबंधित बातों के लिए ध्यान आकर्षित किया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान एवं गणित से संबंधित रोचक गतिविधियाँ, प्रयोगात्मक प्रदर्शन, समस्या समाधान तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम में वक्ताओं ने विज्ञान एवं गणित को दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उपाय बताए।

शिक्षकों ने इस आयोजन को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू, सहायक संचालक रविंद्र सिंह देव उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारी कार्यों के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी और उसे शिक्षकों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए भी कहा। कार्यशाला में गणित विषय के विषय विशेषज्ञ के रूप में ओ पी राजवाड़े, अरुण कुमार चौबे, संतोष कुमार उपाध्याय, दुष्यंत कुमार राजवाडे एवं विज्ञान विषय के विषय विशेषज्ञ के रूप में अकबर कुरेशी, राजेश सिंह एवं गोपाल सिंह रहे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वय शंभू प्रसाद निषाद द्वारा सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। इस कार्यक्रम में भूतपूर्व राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक अनु कांडे एवं सहयोगी शिक्षक आर बी यादव, अभिषेक कुमार गुप्ता, दीपक पटेल एवं जिले के गणित एवं विज्ञान के व्याख्याताओं की उपस्थिति रही।

पीएम आवास योजना से जिले के जरूरतमंदों को मिला पक्का आशियाना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे जिले के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को बेहतर और सुरक्षित आवास की सुविधा मिल रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी कल्याणपुर निवासी राजकुमार साह ने बताया कि पहले वे कच्चे मकान में रहते थे, जहां अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने से उनकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

को धन्यवाद दिया ।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले में गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

जिला अधिवक्ता संघ के सभागृह में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सरगुजा जिला अधिवक्ता संघ के सभागृह में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 एवं ई-जागृति एवं ई-हियरिंग तथा ऑन लाईन प्रकरण प्रस्तुत करना एवं सुनवाई कराये जाने के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें अधिवक्ता संघ के सम्मानीय सिनियर अधिवक्ता पी.आर.कश्यप, प्रमोद तिवारी, संजय अम्बष्ट, रमेश चन्द्र शुक्ला, डी.के. विश्वास, उदयराज तिवारी, प्रवीण पाण्डेय, एवं महिला अधिवक्ताओं में श्रीमती

सरोज गुप्ता, श्रीमती उर्मिला दुबे, तथा संगीता सोनी सिनियर अधिवक्ता उपस्थित रहे। साथ ही अन्य अधिवक्तागण भाग लिए। उपभोक्ता जागरूकता शिविर में लगभग 100 अधिवक्ता गण को उपभोक्ता संरक्षण कानुन एवं ई-जागृति तथा ई-हियरिंग के प्रचार प्रसार हेतु जानकारी दी गई।जिसमें ई-जागृति के माध्यम ऑन लाईन फाईलिंग किये जाने के संबंध में राहुल यादव डीएमए एवं प्रस्तुत किये जा रहे प्रकरणों को व्यवस्थित तथा दस्तावेजों को प्रदर्शित करने के विषय में शंकर सिंह, रीडर के द्वारा जानकारी दिया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में राकेश पाण्डेय के द्वारा प्रकरण प्रस्तुत की जाने में बरतने वाली सावधानियां आर्थिक एवं क्षेत्रीय अधिकारिता के साथ बीमा सर्वेयर की भूमिका एवं पॉलिसी विवरणों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन सचिव सम्पूर्णांक गुप्ता एवं अध्यक्ष अनिल सोनी के द्वारा किया गण तथा कार्यकम की अध्यक्षता राकेश पाण्डेय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सरगुजा के अध्यक्ष द्वारा किया गया।

आबकारी टीम ने 24.3 लीटर अंग्रेजी शराब किया जप्त, एक गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आबकारी विभाग की टीम ने जिले के गोविंदपुर से 24.3 लीटर विदेशी शराब जप्त किया है। बताया गया है कि उक्त शराब नव वर्ष में बिक्री हेतु लाया गया था और बेचा जा रहा था।आबकारी आयुक्त आर संगीता के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एस जयवर्धन एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी अनिल कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में वृत प्रतापपुर प्रभारी प्रदीप वर्मा आबकारी उप निरीक्षक की टीम द्वारा कार्रवाई की गई है। आज नए वर्ष में आबकारी वृत प्रतापपुर की टीम गस्त कर रही थी तभी मुखबिर

से सूचना मिलने पर गोविंदपुर चौकी रेवटी थाना चंदौरा में भारी मात्रा में अवैध शराब रखा हुआ है और रखकर बेच रहा है, तत्काल आबकारी टीम द्वारा दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 06 नग 750मिली. एवं 60 नग 180 मिली. क्षमता वाले ट्रेटा पैक में 8 पीएम व्हिस्की का लेबल लगा में भरा 15.3 लीटर विदेशी मदिरा व्हिस्की एवं 18 नग 500 मिली. क्षमता वाले कैन में किंगफिशर बियर का लेबल लगा में भरा कूल 9 लीटर विदेशी मदिरा माल्ट बियर कूल 24.3 लीटर मदिरा बरामद कर जप्त कर सीलबंद करके कब्जे आबकारी लिया गया है। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34(2), 36, 59(क) के तहत गिरफ्तार किया गया है।उक्त कारवाई एवं विवेचना प्रदीप वर्मा आबकारी उप निरीक्षक के द्वारा की गई। कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक वीरेंद्र रात्रे, पारसनाथ गुप्ता, मेवालाल सोनवानी, दिनेश दुबे, आरक्षक कमलेश्वर राजवाडे, महिला नगर सैनिक देवेन्द्र कुमारी, जमुना एक्का, रूप नारायण साहू एवं वाहन चालक प्रमोद साहू, योगेंद्र पांडे की महत्वपूर्ण योगदान रही है।

बंथरा में बिना अनुमति सड़क खुदाई, जल निगम का कार्य एई के निर्देश पर रुका

संवाददाता

लखनऊ ।सरोजनीनगर के बंथरा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 8 महाराणा प्रताप नगर में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे जल निगम कर्मचारियों द्वारा बिना किसी आधिकारिक अनुमति के सड़क खुदाई किए जाने का मामला सामने आया। स्थानीय लोगों ने जब इसका विरोध किया तो मौके पर पहुंचे सहायक अभियंता अरविंद माहाजी ने तत्काल कार्य रुकवाते हुए खुदी हुई सड़क को शीघ्र निर्माण कर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। घटना के दौरान आम जनमानस में आक्रोश को देखते हुए किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए थाना बंथरा पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। फिलहाल स्थिति सामान्य है और संबंधित विभाग से मामले में जवाबदेही तय किए जाने की बात कही जा रही है।

कूरियर डिलीवरी के दौरान खुला राज, मदद के नाम पर घर में बंद थी महिला

संवाददाता

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर-7 बी में बुधवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कूरियर डिलीवरी ब्वॉय की सतर्कता से घर में बंधक बनाकर रखी गई महिला की जान बच गई। मदद के बहाने लाई गई महिला कई दिनों से मकान के अंदर कैद थी। घटना उस समय सामने आई, जब दोपहर करीब दो बजे एक कूरियर कंपनी का डिलीवरी ब्वॉय विभव बाजपेई पार्सल देने मकान नंबर 213 पहुंचा। दरवाजा खटखटाने पर भीतर से किसी महिला के रोने-चिल्लाने की आवाज आई। महिला ने खुद को बंधक बताए हुए मदद की गुहार लगाई।हालात की गंभीरता समझते हुए डिलीवरी ब्वॉय ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पीजीआई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों की मौजूदगी और महिला पुलिस की सहायता से दरवाजा खुलवाया गया, जिसके बाद अंदर बंद महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया।पुलिस महिला को थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

पड़ोसियों में पहले से थी आशंका

स्थानीय लोगों के अनुसार मकान में रहने वाली कुसुम पाठक उस महिला को अपनी बहू बताती थी। पड़ोसियों ने कई बार तेज आवाज में संगीत बजने और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत भी की थी, ताकि भीतर की आवाज बाहर न जा सके।पुलिस के पहुंचने पर भी दरवाजा खोलने में टालमटोल की गई।

महिला की पहचान और पुलिस का पक्ष

पुलिस पूछताछ में मुक्त कराई गई महिला ने अपना नाम प्रिया जयसवाल बताया, जो वाराणसी की निवासी है। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक प्रिया मानसिक रूप से अस्वस्थ है।उसका विवाह राजस्थान में हुआ था, जो बाद में टूट गया। वह पहले भी कई बार घर से जा चुकी है।पुलिस के अनुसार कुसुम पाठक की गलती यह रही कि उन्होंने महिला के मिलने की सूचना न तो पुलिस को दी और न ही उसके परिजनों को। प्रिया के घर वालों से संपर्क कर लिया गया है और उनके आने पर महिला को सुपुर्द कर दिया जाएगा।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी में चल रही गाड़ी पर की गई पत्थरबाजी

संवाददाता

लखनऊ ।बंथरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरेरा, पोस्ट बेंती में उस समय हंगामा हो गया जब रेसीप्रोकल कंपनी की ओर जा रही गिट्टी से भरी एक डंपर गाड़ी पर पत्थरबाजी की गई।जानकारी के अनुसार, मुख्य मार्ग से गुजर रही डंपर गाड़ी पर ग्राम नरेरा निवासी कृष्णपाल द्वारा गुम्मा फेंका गया, जिससे डंपर का शीशा टूट गया। घटना के बाद डंपर मालिक ने तत्काल 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद गलत तरीके से पत्थरबाजी करने की गलती स्वीकार कराई। इसके पश्चात मौके पर ही सुलहनामा लिखवाया गया और संबंधित व्यक्ति को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि इस प्रकार की कोई घटना या शिकायत सामने आती है तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शराब की दुकान में चोरी, नकदी व बोतलें ले उड़े चोर

कुसभरी चौराहे की कंपोजिट अंग्रेजी शराब दुकान को बनाया निशाना

संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के कुसभरी चौराहे पर स्थित कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर दुकान का शटर तोड़कर बीयर कैन, शराब की बोतलें और करीब 25 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। वारदात की जानकारी सुबह होने पर सेल्समैन ने पुलिस को सूचना दी।

माल थाना क्षेत्र के ग्राम भभूती खेड़ा निवासी सेल्समैन रणवीर गौतम ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे दुकान बंद की गई थी। देर रात अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में रखी नकदी और शराब की बोतलें चुरा लीं। उनके अनुसार चोरी में कुल मिलाकर लगभग एक लाख तीस हजार रुपये का नुकसान हुआ है। चोर

शराब की दुकान से गायब बोतलें

दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और स्कैनिंग मशीन भी निकाल ले गए।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू की।

इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश की जा रही है।

मलिहाबाद को बड़ी राहत, आरओबी निर्माण को शासन की मंजूरी

126.76 करोड़ की लागत से बनेगा रेल उपरिगामी सेतु, ?34.43 करोड़ की धनराशि जारी

संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। उत्तर प्रदेश शासन ने मलिहाबाद क्षेत्र में रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) के निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह आरओबी उत्तरी रेलवे खंड पर मलिहाबादझमाल मार्ग स्थित मलिहाबाद और दिलावरनगर रेलवे स्टेशनों के बीच बनाया जाएगा। बुधवार को शासन द्वारा इस परियोजना के लिए ?34.43 करोड़ की धनराशि जारी करने की भी मंजूरी दे दी गई।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना नाबार्ड वित्त पोषित आरआईडीएफ-31 योजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित यह आरओबी दो लेन का होगा, जिससे यातायात व्यवस्था और अधिक सुचारु हो सकेगी।

परियोजना पर 126.76 करोड़ होंगे खर्च शासनादेश के अनुसार, इस रेल उपरिगामी सेतु की कुल अनुमानित लागत 126.76 करोड़ है, जिसमें रेलवे अंश और राज्यांश दोनों शामिल हैं।

कुल लागत में से—

2713.24 लाख (78.79 प्रतिशत) नाबार्ड अनुदान से

730.40 लाख (21.21 प्रतिशत) राज्यांश से व्यय किए जाएंगे।

जाम और हादसों से मिलेगी राहत

आरओबी के निर्माण से मलिहाबाद क्षेत्र में रेलवे फाटक पर लगने वाले लंबे जाम से स्थायी राहत मिलेगी।इसके साथ ही फाटक पर होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका भी काफी हद तक कम हो जाएगी।

लखनऊ-हरदोई मार्ग पर यातायात सुगम और सुरक्षित होगा, जिससे आम जनता, किसानों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को रोजाना आवागमन में सुविधा मिलेगी।

विकास को मिलेगी गति

रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और मलिहाबाद क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

खौलते गर्म पानी में मासूम बच्ची झुलसी, इलाज के दौरान मौत

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनी नगर में बीते दिनों खौलते गर्म पानी में झुलसी मासूम बच्ची की इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से हरदोई के फैजुल्लापुर में रहने वाले अनिल कुमार सरोजनी नगर के आजाद नगर में किराए के मकान में पत्नी शिल्पी और दो बेटियों के साथ रहकर यहां नादरगंज स्थित एक पान मसाला कंपनी में मजदूरी करते हैं। शनिवार रात अनिल की पत्नी शिल्पी ने भगोना में पानी गर्म करके फर्श पर रख दिया और काम करने लगी। तभी उनकी 13 माह की बेटी जाह्नवी अचानक खेलते

खेलते खौलते पानी से भरे भगोने में गिर गई ।उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर शिल्पी ने उसे बाहर निकाला और बाद में आनन फानन उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया। लेकिन सिविल अस्पताल में बुधवार सुबह इलाज के दौरान मासूम जान्हवी ने दम तोड़ दिया। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

विधायक आवास पर आयोजित हुआ अटल जन्म शताब्दी समारोह

आयोजन, मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा रहे मौजूद

संवाददाता

लखनऊ ।भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जी के आशियाना स्थित विधायक आवास पर अटल जन्म शताब्दी समारोह एवं रकफ संगोष्ठी का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर अटल जी के राष्ट्रवादी, मानवीय और दूरदर्शी विचारों से जन-जन को जोड़ने का संकल्प दोहराया गया ।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद

डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद तथा लखनऊ महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की उपस्थिति रही। अतिथियों ने अटल जी के सुशासन, समावेशी विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित दृष्टिकोण को आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया ।कार्यक्रम का समापन अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और विकसित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। साथ ही सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में रकफ प्रक्रिया के अंतर्गत सभी पात्र मतदाताओं के नाम शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने का संकल्प भी व्यक्त किया गया ।कार्यक्रम में रकफ महानगर संयोजक चेतन बिष्ट, घनश्याम अग्रवाल, संजय लोधी, रेनू सिंह, सौरभ वाल्मीकि, राजेश सिंह, साधना सिंह, सुभाष पासी, पार्षद कौशलेन्द्र द्विवेदी, के. एन. सिंह, कमलेश सिंह, रमा शंकर त्रिपाठी, समस्त मंडल अध्यक्षगण एवं बड़ी संख्या में सरोजनीनगर भाजपा परिवार के पदाधिकारियों, कार्यकताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

सम्पादकीय

चीन के नियम '50' से सीख ले भारत

अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच चीन अब लगातार अपने देश में बने सामान को ही बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए ड्रैगन 50 फीसदी का नया नियम लेकर आया है। यह नियम सभी चिप कंपनियों पर लागू होगा। इसके तहत अब चीन में लगने वाली नई या पुरानी फैक्ट्रियों का विस्तार करने के लिए कम से कम 50% उपकरण चीन में ही बने हुए इस्तेमाल करने होंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सरकार चाहती है कि देश में ही चिप बनाने का पूरा सामान तैयार हो जाए, ताकि उसे दूसरे देशों पर निर्भर न रहना पड़े। इस नियम का उद्देश्य खुद की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को मजबूत करना है। इससे चीन में चिप बनाने वाली कंपनियों को अपने उपकरणों के लिए घरेलू आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रहना होगा, जिससे चीनी कंपनियों को बड़ा फायदा होगा। इस नए नियम का अमेरिकी कंपनियों पर भी काफी प्रभाव पड़ सकता है। चीन ने अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन, एल3 हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज और बोइंग जैसी बड़ी रक्षा कंपनियां शामिल हैं। वहीं, चीन के नियम-50 से भारत को भी सीख लेनी चाहिए, ताकि भारत का वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का मिशन सफल हो सके। बता दें कि यह एक बहुत बड़ा कदम है जो चीन ने उठाया है। चीन अब विदेशी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करता जा रहा है। यह कोशिश तब और तेज हो गई, जब साल वर्ष 2023 में अमेरिका ने एक्सपोर्ट पर और सख्त नियम बना दिए थे। अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड एआई चिप्स और चिप बनाने वाले उपकरण बेचने पर रोक लगा दी थी। हालांकि, अमेरिका के इन नियमों ने कुछ सबसे एडवांस्ड मशीनों की बिक्री रोक दी, लेकिन 50% वाले इस नियम की वजह से चीनी कंपनियां अब उन जगहों पर भी अपने देश के सप्लायर्स को चुन रही हैं, जहां अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोप के विदेशी उपकरण उपलब्ध हैं। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग लगातार यह कहते रहे हैं कि देश को चिप बनाने के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'पूरे देश' को मिलकर प्रयास करना होगा। भारत भी चीन से इस मामले में कुछ सबक ले सकता है। चिप निर्माण में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत अभी सेमीकंडक्टर बनाने के लिए जरूरी मशीनें, केमिकल और वेफर्स जैसे सामान दूसरे देशों से खरीदता है। ये सामान ताइवान, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से आते हैं, लेकिन अब भारत सरकार 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (आईएसएम) के तहत खुद सेमीकंडक्टर बनाने की क्षमता बढ़ा रहा है। भारत भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है, ताकि दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो। भारत को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए चीन जैसे नियम को अपनाना चाहिए। भारत को अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी। अपने व्यापारिक संबंधों को विविध बनाने और चीन के अलावा अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिश करनी होगी। भारत को अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और वैश्विक व्यापारिक संगठनों में अपनी भूमिका मजबूत करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके अलावा, भारत को विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए प्रयास करने चाहिए, अपनी प्रौद्योगिकी विकसित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए, ताकि भारत की दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सके और देश का आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सके।

मुद्दा

सुनील कुमार महला

सतत विकास : समृद्धि और संरक्षण का साझा मार्ग !

अरावली पहाड़ियों की जिस परिभाषा को पहले सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया था, उसी पर अब रोक लगाकर नई उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश देना स्वागत योग्य कदम है। वास्तव में, यह संकेत देता है कि पहले की रिपोर्ट को लेकर जो आम लोगों द्वारा जो आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं, वे निराधार नहीं थीं। अरावली को केवल पहाड़ियों की एक भौगोलिक श्रृंखला मानना भूल होगी, क्योंकि यह उत्तर भारत के उपजाऊ मैदानों को मरुस्थलीकरण से बचाने वाली एक जीवन रेखा है। सरकारी समिति की सिफारिश पर तय की गई परिभाषा से यह आशंका पैदा हुई थी कि अरावली का बड़ा हिस्सा संरक्षण से बाहर हो सकता है, जिससे खनन और निर्माण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता। केवल यह कह देने से कि रिपोर्ट को गलत समझा जा रहा है, आम लोगों की चिंताएं दूर नहीं होतीं। आज जब देश गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब नीति निर्धारण में स्पष्टता, पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लेना यह दर्शाता है कि उसने जनहित और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी चिंताओं को गंभीरता से समझा है। जानकारी के अनुसार अब विशेषज्ञों की समिति अलग-अलग समय की जानकारियों का अध्ययन करेगी। यानी पुरानी तस्वीरें, पुराने नक्शे और सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों की आपसी तुलना की जाएगी। इससे यह साफ होगा कि पिछले कुछ दशकों में अरावली पहाड़ियों में क्या-क्या बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि इस जांच से यह सच्चाई सामने आएगी कि अवैध खनन, बिना योजना के निर्माण और पेड़ों की कटाई ने इस बहुमूल्य प्राकृतिक धरोहर को कितना नुकसान पहुंचाया है। विवाद केवल 100 मीटर ऊंचाई तय करने को लेकर नहीं है। असल बात यह है कि पर्यावरण में छोटी-सी बात भी बहुत असर डालती है। किसी पहाड़ी को उसके आसपास के जंगल, पानी, मिट्टी और जीव-जंतुओं से अलग करके नहीं समझा जा सकता। अरावली को लेकर आम लोगों की कड़ी प्रतिक्रिया इसलिए आई, क्योंकि अब वहां पर्यावरण का बिगड़ना साफ दिखाई देने लगा है और उसका नुकसान सीधे लोगों को महसूस हो रहा है। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2025 में देश के पहाड़ी राज्यों में आई विनाशकारी आपदाएं, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे महानगरों में लगातार जहरीली होती हवा कोई अचानक घटित घटनाएं नहीं हैं, बल्कि यह वर्षों से पर्यावरण के प्रति बरती गई लापरवाही और अदूरदर्शी नीतियों का सीधा परिणाम हैं।

वास्तव में यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी गंभीर चेतावनियों के बाद भी शासन और समाज के स्तर पर पर्यावरण को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। एक ओर अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर जनआंदोलन और विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे, वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में हजारों एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जों का मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें राज्य में बड़े पैमाने पर वन भूमि पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि राज्य सरकार वन भूमि की रक्षा करने में गंभीरता नहीं दिखा रही है। कोर्ट के समक्ष आए तथ्यों के अनुसार हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र पर अवैध निर्माण और कब्जे हो चुके हैं, जो पर्यावरण, जैव विविधता और हिमालयी पारिस्थितिकी के लिए गंभीर खतरा हैं। अदालत ने राज्य सरकार को अतिक्रमण हटाने, नई गतिविधियों पर रोक लगाने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं और मामले की आगे भी निगरानी की जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली से जुड़े मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर वास्तव में यह साफ व स्पष्ट संकेत दिया है कि इस विषय में गहन तथ्यान्वेषण जरूरी है। वहीं पर सरकार ने भी पूर्व आदेश की कमियों को स्वीकार किया है। केंद्र सरकार की ओर से यह सहमति जताई गई है कि अब अरावली क्षेत्र में खनन या नियमों में कोई भी बदलाव सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति से ही होगा। यहां तक कि यह भी माना गया है कि नवंबर के फैसले को लेकर कई गलतफहमियां थीं। माननीय न्यायालय का उद्देश्य विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना है। यह बात ठीक है कि आज के समय में खनन को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, फिर भी यह सुनिश्चित करना बहुत ही जरूरी और आवश्यक है कि इससे प्रकृति और मानव जीवन को खतरा न हो। अंततः, अरावली की रक्षा केवल न्यायालय या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की सतर्कता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की अनियंत्रित लूट को रोका जा सके।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुरक्षा रणनीति

डॉ. एन.के. सोमानी

भारत का साथ जरूरी या केवल दिखावा

संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी नई सुरक्षा रणनीति का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) में यूरोप की सांस्कृतिक चुनौतियों और चीन से मिल रही प्रतिस्पर्धा पर सख्त रुख अपनाया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगभग एक साल के कार्यकाल के अंतिम चरण में जारी रणनीति में पश्चिमी गोलार्ध और इंडो-पैसिफिक का जिक्र किया गया है। ड्राफ्ट का स्वरूप बहुत संक्षिप्त होने के बावजूद इसमें भारत को प्राथमिकता देते हुए भारत के साथ संबंधों पर विशेष जोर दिया गया है। ऐसे में आशंका इस बात की है कि भारत के साथ बात कर ट्रंप प्रशासन कहीं अपने राष्ट्रीय हितों को साधने की कोशिश तो नहीं कर रहा है।

चीन और यूरोप के साथ संबंधों में तनातनी के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी नई सुरक्षा रणनीति का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) में यूरोप की सांस्कृतिक चुनौतियों और चीन से मिल रही प्रतिस्पर्धा पर सख्त रुख अपनाया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगभग एक साल के कार्यकाल के अंतिम चरण में जारी रणनीति में पश्चिमी गोलार्ध और इंडो-पैसिफिक का जिक्र किया गया है। ड्राफ्ट का स्वरूप बहुत संक्षिप्त (20 पेज) होने के बावजूद इसमें भारत को प्राथमिकता देते हुए भारत के साथ संबंधों पर विशेष जोर दिया गया है।

ड्राफ्ट में अमेरिका को भारत के साथ वाणिज्यिक, रणनीतिक और अन्य द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने की बात कही गई है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि भारत के साथ मजबूत सहयोग से न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि भारत को क्वाड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। ड्राफ्ट की दिलचस्प बात यह है कि एक तो ट्रंप प्रशासन इसमें रूस के साथ कदम-ताल करते दिख रहा है और दूसरा सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट से पाकिस्तान को लगभग गायब कर दिया गया है। यह पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है खासतौर से फील्ड मार्शल असीम मुनीर के लिए।राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अमेरिका की कार्यकारी शाखा द्वार समय-समय पर तैयार किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमें देश की सुरक्षा संबंधी चिंताओं और प्रशासन द्वारा उनसे निपटने की योजनाओं का विवरण दिया जाता है।

गोल्डवाटर-निकोलस अधिनियम के आधार पर निर्मित सुरक्षा रणनीति का कार्यन्वयन राष्ट्रीय सैन्य रणनीति जैसे सहायक दस्तावेज में दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार किया जाता है। साल 2017 में जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार व्हाइट हाउस में आए उस वक्त उन्होंने अपने पूर्ववर्ती शासनाध्यक्षों द्वारा निर्मित विदेश नीति के सिद्वांतों से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। नई सुरक्षा रणनीति में वह एक कदम ओर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं। 2025 की रणनीति में मुख्य फोकस अमेरिकी पहचान तथा संस्कृति को स्थापित करने के लिए मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) के आर्दश पर रखा गया है। अमेरिका ने हाल के वर्षों में असाधारण प्रगति हासिल की है और आने वाले समय में वह अपनी राष्ट्रीय-शक्ति के सभी पहलुओं को और सुदृढ करेगा। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि नई रणनीति सुनिश्चित करेगी कि अमेरिका विश्व इतिहास का सबसे महान और सबसे सफल राष्ट्र रहे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि नई सुरक्षा रणनीति का दस्तावेज 'अमेरिका फर्स्ट' की भावना से भरा हुआ हैं। लेकिन अहम सवाल यह है कि न्यू सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट में भारत के उल्लेख का निहितार्थ क्या है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की रणनीतिक जरूरतों को छोड़ कर शेष वैश्विक संदर्भ में अमेरिका भारत को किस नजरिए देखता है, खासकर पाकिस्तान और भारत-रूस मैत्री संबंधों के संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। दरअसल जिस तरह से ट्रंप ने सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट में यूरोप के प्रति खीज का प्रदर्शन किया है और भारत को 'जरूरत के साथी' के तौर पर दिखाया है, उससे साफ है कि पूरा दस्तावेज भ्रम और उलझन का गड़बड़ झाला बन गया है। दस्तावेज कुछ

निश्चित और कुछ अनिश्चित तत्वों की ओर भी संकेत कर रहा है। जहां तक अनिश्चितंता का सवाल है तो यह उनकी स्वभावगत विशेषता है और इसकी नींव ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले ही दिन रख दी गई थी। ग्यारह माह की अपनी राजनीतिक यात्रा में वह इससे इंच भी इधर-उधर नहीं हुए। हां, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत को महत्पूर्ण रणनीतिक साझेदार मानना उनके प्रशासन में कुछ हद तक निश्चिता का संकेत है।

सुरक्षा रणनीति किसी देश या संगठन के राष्ट्रीय हितों की रक्षा, खतरों का सामना करने और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली एक व्यापक योजना होती है। चूंकी सुरक्षा रणनीति में चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है। इसलिए सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट में भारत-अमेरिका सहयोग को प्रमुख क्षेत्र बताया गया है। अमेरिका मानता है कि तकनीक के मोर्चे पर भारत के साथ जुड़ाव क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। यह सहयोग न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद होगा बल्कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में भी मददगार होगा। इसके अलावा साउथ चाइना सी (दक्षिण चीन सागर) में चीन द्वारा उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के साथ तालमेल को महत्वपूर्ण बताया गया है। नई सुरक्षा रणनीति के दस्तावेज में इस बात का दावा भी किया गया है कि अमेरिका एक स्वतंत्र और संप्रभु गणराज्य रहेगा। अमेरिका का दायित्व अपने नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है। इसमें मजबूत सीमाएं, आव्रजन पर नियंत्रण और देशों के बीच सहयोग से अवैध जनसंख्या प्रवाह रोकने की बात शामिल है। समुद्री मार्गों के स्वतंत्र परिचालन के मामले में भारत और अमेरिका का समान दृष्टिकोण रहा है।

दोनों देश एक मुक्त एवं खुले और नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की वकालत करते है। कोई दो राय नहीं कि इंडो-पैसिफिक दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी और लगभग आधी जीडीपी का स्त्रोत होने के कारण वैश्विक रणनीति, आर्थिक शक्ति-संतुलन और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को अहम घटक बन चुका है। चीन इस क्षेत्र में प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। सैन्य शक्ति और आर्थिक बल के जरिए चीन इसकी क्षेत्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इंडो-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका भारत को एक जरूरी पक्षकार मानता है। हो सकता है यह चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की अमेरिकी रणनीति का हिस्सा हो, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा रणनीति में भारत के साथ के लिए लालायित दिखने की अमेरिकी इच्छा भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को तो मजबूत बनाती ही है। दूसरी ओर, सिक्योरटी ड्राफ्ट की शब्दावली से साफ है कि अमेरिका की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। अब ट्रंप प्रशासन भारत को अहम रणनीतिक सहयोगी के तौर पर साथ लेकर चलने के बजाए उसे केवल लेन-देन वाले राष्ट्र के तौर पर देखने लगा है। कहना गलत नहीं होगा कि सिक्योरटी ड्राफ्ट की शब्दावली में अमेरिकी आदर्शवाद को रेखांकित करने के लिए सुंदर शब्दों का तो भरपूर इस्तेमाल किया गया है लेकिन यह यथार्थ के कितने करीब है, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में है।

ऐसे में आशंका इस बात की है कि भारत के साथ बात कर ट्रंप प्रशासन कहीं अपने राष्ट्रीय हितों को साधने की कोशिश तो नहीं कर रहा है। अगर ऐसा है तो यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा कि भारत का मौजूदा नेतृत्व डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक समीकरणों को साधकर भारत-अमेरिकी संबंधों को पुनः बाइडेन युग की ओर लौटा पाने में कितना सफल रहता है।

(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कुसंगति त्यागे, धर्मबुद्धि जागे

संकलित

दर्शन

आम और नीम दोनों की मूल जमीन में एकत्रित होने से नीम के संसर्ग में आम भी नीमपन को प्राप्त करता है। अर्थात दुर्जन की संगत से प्रायः सज्जन भी दुर्जन हो जाता है। इस बात पर यदि थोड़ा विचार किया जाए तो प्रश्न यह उठता है कि दुर्जन का प्रभाव ही क्यों पड़ता है? सज्जन का प्रभाव क्यों नहीं पड़ता। आम भी कड़वा क्यों होता है? नीम मीठा क्यों होता नहीं ? इसके पीछे यही कारण है कि सज्जन का हृदय बहुत कोमल होता है, जबकि दुर्जन कठोर हृदय का होता है। सज्जन तो खरबूजे की भांति होता है और दुर्जन चाकू की भांति। चाकू चाहे खरबूजे पर पड़े या खरबूजा चाकू के ऊपर, कटना तो खरबूजे को ही पड़ता है इसलिए सज्जन को सदैव सजग होकर रहना चाहिए। मनुष्य का अहित जितना दुश्मन नहीं करता उतना उसका अविवेक कर बैठता है। महान उपन्यासकार बाबू बंकिमचन्द्र ने एक जगह लिखा है कि मनुष्य का विशेष अहित उनके स्नेहीजन ही कर सकते है। विवेकहीन माता-पिता धर्म भावना वाली संतान को धर्म से विमुख करके उसे विषय वासना के गर्त में डाल सकते हैं। वर्तमान युग में देखा जा रहा है कि माता पिता अपनी संतान को धनवान बनाने की भावना रखते हैं मगर धर्मवान बनाने की ओर उनका ध्यान नहीं जाता है। वे अपनी संतान को सुसंस्कारित करने की ओर और ध्यान नहीं दे पाते। जिसमें स्वयं संस्कारो का अभाव होता है ,वे भला दूसरों को संस्कारित कैसे कर सकते हैं।

कभी भी अपने धन और पद का घमंड न करें

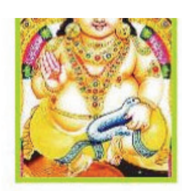

संकलित

प्रेरणा

देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव के पास बहुत धन-संपत्ति थी। कुबेर को अपनी धन-दौलत पर घमंड हो गया। एक दिन कुबेर घमंड के साथ ही शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी से कहा कि मैं आपको अपने महल में खाने के लिए आमंत्रण देने आया हूं। शिव जी ने सोचा कि कुबेर देव का घमंड दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं तो नहीं आ सकता, लेकिन आप गणेश को ले जाइए और ध्यान रखना गणेश खाने में जल्दी तृप्त नहीं होते हैं। कुबेर देव को अहंकार तो था ही, उन्होंने कह दिया कि मैं तो सभी को भोजन करा सकता हूं तो गणेश जी को भी तृप्त कर सकता हूं। शिव जी गणेश जी को कुबेर देव के यहां भोजन करने भेज दिया। गणेश जी कुबेर देव के महल पहुंच गए। कुबेर देव ने गणेश जी के लिए बहुत सारा खाना बनवाया और गणेश जी को खाना परोसना शुरू कर दिया। गणेश जी लगातार खाते ही जा रहे थे, लेकिन उनका पेट नहीं भर रहा था। गणेश जी तृप्त नहीं हुए, लेकिन कुबेर देव के यहां का अन्न का भंडार खाली हो गया। गणेश जी को और भूख लग रही थी। कुबेर देव निराश होकर तुरंत ही शिव जी के पास पहुंचे और पूरी बात बता दी। कुछ ही देर में गणेश जी भी शिव जी के पास पहुंच गए। शिव जी ने देवी पार्वती से गणेश जी के खाने के लिए कुछ लाने को कहा। पार्वती जी तुरंत ही खाना ले आईं। देवी पार्वती के हाथ का बना खाना खाकर गणेश जी शांत हो गए। ये देखकर कुबेर देव को अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने शिव जी से क्षमा मांगी और घमंड न करने का संकल्प लिया।

वैकुंठ एकादशी

हैदराबाद में मंगलवार को चारमीनार के पास वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान भक्त एक धार्मिक जुलूस में हिस्सा ले रहे हैं।

आज की पाती

अदालत का सही फैसला

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहां मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज से ज्यादा तेज कभी-कभी सांसों की घुटन होती है, लेकिन हम सुनना नहीं चाहते। मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला, जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर 5000 रुपए का जुर्माना लगाया गया, इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है। हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना पुण्य माना जाता है। लेकिन कबूतर बीमारियां भी फैलाते हैं, इस दृष्टि से यह फैसला सही लगता है। *- विवेक शर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

सुधारों की रफ्तार

भारत ने सुधारों की रफ्तार पकड़ ली है! 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिन्होंने हमारी विकास यात्रा को गति प्रदान की है। ये सुधार एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों को भी बल देंगे।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मूल भावना के विपरीत

यह आश्चर्य है कि पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया और उसके एजेंडे में संसद द्वारा पारित 'विकसित भारत-जी राम जी' कानून के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने की बात शामिल है। संसद में बने कानून के खिलाफ विस में प्रस्ताव पारित करना संसदीय मूल भावना के विपरीत है।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

गरीब परिवारों को फ्लैट

हमारी सरकार 2026 में 6000 से ज्यादा गरीब परिवारों को दिल्ली में अपना फ्लैट देने जा रही है। पहले चरण में सावदा घेवरा में बिजली, पानी, शौचालय जैसी सुविधाओं के साथ 2,500 गरीब परिवारों को फ्लैट की चाबी सौंपी जाएगी।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हार्दिक संवेदनाएं

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश की जनता के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

चीन की सेना का ताइवान के पास सैन्य अभ्यास जारी

चीन की सेना ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास किया। बीजिंग ने इसे अलगाववादी और 'बाहरी हस्तक्षेप' वाली ताकतों के खिलाफ 'कड़ी चेतावनी' बताया वहीं ताइवान ने कहा कि उसने अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। ताइवान ने चीन की सरकार को 'शांति का सबसे बड़ा दुश्मन' करार दिया। दो दिनों तक जारी रहने वाले इन सैन्य अभ्यासों को 'जस्टिस मिशन 2025' नाम दिया गया है। चीन के ये अभ्यास ताइवान को संभावित रूप से अब तक की सबसे बड़ी अमेरिकी हथियार बिक्री पर आक्रोश व्यक्त करने और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान के बाद किए जा रहे हैं कि यदि चीन ताइवान के खिलाफ कार्रवाई करता है तो उनकी सेना हस्तक्षेप कर सकती है। चीन का कहना है कि ताइवान को उसके शासन के अधीन आना होगा। चीन की सेना ने सोमवार को अपने बयान में अमेरिका और जापान का नाम नहीं लिया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने ताइवान की सत्तारूढ़ पार्टी पर अमेरिका से समर्थन मांगकर स्वतंत्रता हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मंगलवार सुबह, आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक सरकारी प्रवक्ता के हवाले से कहा कि इस दिशा में किए गए किसी भी प्रयास का 'निष्फल होना तय है'।

ऑफ बीट

रात में अच्छी नींद कैसी होनी चाहिए?

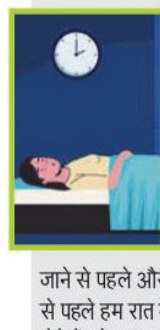

बहुत से लोग सोचते हैं कि जब वे तकिये पर सिर रखेंगे तो उन्हें गहरी और आरामदेह नींद आनी चाहिए और लगभग आठ घंटे के बाद तरोताजा महसूस करते हुए उठना चाहिए। वास्तव में, पूरी रात स्वस्थ नींद चक्रीय होती है क्योंकि आप नींद के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं और अक्सर कई बार जागते हैं। कुछ लोगों को इनमें से एक या अधिक बार जागना याद रहता है लेकिन कई लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि वे रात में कितनी बार नींद से जागे। एक वयस्क के रूप में, हमारी नींद अलग-अलग चक्रों से गुजरती है और रात के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर के लिए नींद टूटती है। प्रत्येक नींद का चक्र लगभग 90 मिनट का होता है। गहरी नींद में जाने से पहले और सपनों की दुनिया (रैपिड आई मूवमेंट-आरईएम) में खोने से पहले हम रात में हल्की नींद से शुरुआत करते हैं। यदि हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हम अपनी अधिकांश गहरी नींद रात के पहले भाग में पूरी कर लेते है और रात के दूसरे भाग में हमें सपने आने लगते हैं। वयस्क आमतौर पर रात में पांच या छह नींद के चक्रों से गुजरते हैं और प्रत्येक चरण के अंत में थोड़ी देर के लिए जागना पूरी तरह सामान्य है। इसका मतलब है कि हम रात में पांच बार जाग सकते हैं।

दौड़ती मारुति वैन में लगी आग, कूदकर बचाई जान

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र के समाधि रोड पर टीएफआरआई के पास चलती मारुति वैन में

अचानक आग लग गई। इंजन से धुआं निकलते ही चालक ने वाहन रोका और करीब एक दर्जन यात्रियों ने उतरकर जान बचाई। आग से वैन पूरी तरह जल गई, कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार समाधि रोड से गुजर रही मारूति वैन के इंजन से अचानक धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में वाहन से आग की लपटें उठी।

पेंच बफर जोन में मोटर चालू कर रहे थे

छिंदवाड़ा में खेत गए किसान पर बाघ का हमला, मौत हुई

एकाएक झाड़ियों से निकलकर किया हमला

छिंदवाड़ा। पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे इलाकों में बाघ का खौफ फिर जानलेवा साबित हुआ। जिले के किशनपुर खमरा गांव में बुधवार सुबह खेत पर काम करने गए एक किसान की बाघ के हमले में दर्दनाक मौत हो गई। किशनपुर खमरा निवासी बलराम डेहरिया बुधवार सुबह करीब 6 बजे अपने खेत में पानी की मोटर चालू करने गए थे। खेत के पास झाड़ियों में बाघ पहले से छिपा बैठा था। जैसे ही बलराम वहां पहुंचे, बाघ ने उन पर झपट्टा मार दिया। हमला इतना जबरदस्त था कि किसान को संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

महिला क्रू मेंबर से अभद्रता की

फ्लाइट दो घंटे लेट तो यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलना चाहा

एयरोड्रम थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई

फाइल फोटो

इंदौर एयरपोर्ट पर इंडिगो की एक फ्लाइट में एक यात्री द्वारा महिला क्रू मेंबर और अन्य यात्रियों के साथ बदतमीजी करने का मामला सामने आया है। यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलने का प्रयास भी किया। क्रू मेंबर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामला सोमवार रात का बताया जा रहा है, जब इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6ई-6002 इंदौर एयरपोर्ट पर खड़ी थी। इसी दौरान सीट नंबर 29 पर बैठे यात्री ने दो महिला क्रू मेंबर याशी और रिया के साथ अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। महिला क्रू मेंबर ने ड्यूटी ऑफिसर शरीफ कुरैशी को बुलाकर घटना की जानकारी दी। यात्री ने कहा कि फ्लाइट पहले ही दो घंटे लेट है और वह अब फ्लाइट से उतरना चाहता है।

निमेसुलाइड की सभी ओरल दवाओं की बिक्री पर भी रोक

निमेसुलाइड के उत्पादन पर सरकार ने बैन लगाया

100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड दवाओं के इस्तेमाल से मानव स्वास्थ्य को जोखिम

एजेंसी नई दिल्ली

सरकार ने दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही, निमेसुलाइड की ऐसी सभी खाने वाली (ओरल) दवाओं की बिक्री और वितरण भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिनमें 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा होती है। यह प्रतिबंध 1940 के औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 26ए के तहत ड्रग्स तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के बाद लगाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड दवाओं के इस्तेमाल से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है और इनके सुरक्षित विकल्प पहले से मौजूद हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर 29 दिसंबर 2025 को अधिसूचना जारी की।

फाइल फोटो

आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे थे

सरकार ने स्पष्ट कहा कि यह प्रतिबंध औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत लगाया गया है और यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके तहत देश में निमेसुलाइड की तय मात्रा से अधिक वाली ओरल दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा भी जारी किया था और इस पर आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे।

कड़ाके की ठंड में पानी में घंटों बिताए

झील में धक्का दिया... रातभर पिलर पकड़कर खड़े रहे बुजुर्ग

सुबह सिक्योरिटी गार्ड ने किया रेस्क्यू

सागर

सागर की लाखा बंजारा झील में बने एलिवेटेड कॉरिडोर से एक बुजुर्ग को अज्ञात व्यक्ति ने धक्का दे दिया। कड़ाके की ठंड में बुजुर्ग पूरी रात झील के पिलर के सहारे पानी में खड़े रहे। बुधवार सुबह सिक्योरिटी गार्ड्स की नजर पड़ी, तब जाकर उन्हें बोट की मदद से बाहर निकाला गया। सदर निवासी हरप्रसाद रैकवार (62) ने बताया कि वे मंगलवार रात करीब 11.30 बजे बस स्टैंड के पास एलिवेटेड कॉरिडोर पर खड़े होकर झील देख रहे थे। तभी पीछे से किसी ने उन्हें धक्का दे दिया और वे सीधे पानी में जा गिरे। उन्होंने मदद के लिए आवाज भी लगाई, लेकिन रात होने के कारण किसी ने नहीं सुना। बुजुर्ग को रेस्क्यू कर चेकअप के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि पता लगाया जा रहा था कि धक्का किसने दिया था? या फिर, बुजुर्ग खुद ही गिरे थे। एलिवेटेड कॉरिडोर पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते नगर निगम ने कॉरिडोर की बाउंड्री पर 5 फीट ऊंची जाली लगाने का निर्णय लिया है। प्रस्ताव पास होने के बाद कॉरिडोर पर जाली लगाने का काम शुरू हो गया है।

सेरेंगेटी में शेर ऐसे दिखते हैं जैसे गांव में गाय

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

घड़ी की सुइयां अब दोपहर के बारह बजाने को हैं, और हमारा वाहन सेरेंगेटी नेशनल पार्क के अंदर दाखिल हो रहा है। वाहन के संबंध में भी आपको यह जानकर हैरत होगी कि सफारी के लिए केवल एक ही कंपनी का एक ही मॉडल आपको चहुंओर दिखाई देगा और वह है टोयोटा कंपनी की लैंड क्रूजर। ऐसा पार्क प्रबंधन या सरकार के किसी नियम के तहत नहीं बल्कि गुणवत्ता और उपयोगिता के आधार पर है। तमाम सफारी कंपनी लैंड क्रूजर को लेने के बाद जंगल पर्यटन के लिहाज से उसे तैयार कराती हैं। इसमें वाहन को 55 सेंटीमीटर तक और लंबा किया जाना और छत को खास तरीके से खोला जाना शामिल है।

यात्रा वृत्तांत

उद्यान में दाखिल होते ही हमें झटका सा लगा। जंगल को लेकर हमारी कल्पना तो घने और ऊंचे वृक्षों की रहती है लेकिन यहां तो मीलों निगाह दौड़ाने पर भी कहीं कहीं कोई ठूंठ ही दिखाई दे रहा था। हर तरफ बस छोटी- बड़ी और सूखी या हरी घास ही जमीन पर बिछी दिखाई दे रही थी। हालांकि बाद में कुछ कुछ जगहों पर पेड़ भी दिखाई दिए लेकिन उनकी सीमित संख्या वन का अहसास तो बिल्कुल भी नहीं कराती। पार्क में दाखिल होने दो तीन मिनट के भीतर ही हमारा सामना गणपति अर्थात हाथियों के समूह से हो गया। इनके कान हमारे भारत में पाये जाने वाले हाथियों के मुकाबले खासे बड़े थे। हमीद के अनुसार इन हाथियों को पालतू बनना नामुमकिन है क्योंकि इनका स्वभाव काफी आक्रामक है। एशियाई हाथियों के मुकाबले इनका स्वभाव पूरी तरह भिन्न है।

मसाई मारा

मसाई मारा के जो यह दो शब्द हैं मसाई जनजाति और मारा नदी को अभिव्यक्त करते हैं। मसाई जनजाति का निवास क्षेत्र केन्या और उत्तरी तंजानिया का विशाल भूभाग ही है। मूलत पशुपालक इस समुदाय को ही राष्ट्रीय उद्यान बनने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। जिस जमीन पर उनके पूर्वज सैकड़ों सालों से रहते आए थे, वहां से उन्हें दूसरों के अपराधों के चलते विस्थापित होना पड़ा। गुलामी के काल खंड में विदेशियों ने आकर यहां बेहिसाब शिकार किया और उसकी सजा विस्थापन के रूप में इस समुदाय को भुगतना पड़ रही है। मारा नदी केन्या और तंजानिया के बीच बहती है महा प्रवासन के दौरान नदी में मौजूद घडियालों के द्वारा विल्डर बीस्ट का शिकार देखने जुलाई से सितंबर के बीच हजारों सैलानी दुनियाभर से यहां आते हैं।

डीआरडीओ ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

प्रलय मिसाइल का सफल लॉन्च, एक ही लॉन्चर से

परीक्षण के दौरान की तस्वीर

प्रलय मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर के नेतृत्व में हुआ

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया है। यह परीक्षण देश की स्वदेशी मिसाइल तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण अपने आप में अहम उपलब्धि है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइल दागी गईं। यह उड़ान परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय की गई दिशा का पूरी तरह पालन किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान पर कड़ी नजर रखी गई। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे ट्रैजेक्टरी की पुष्टि की। वहीं, लक्ष्य क्षेत्र के पास तैनात जहाजों पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम के जरिए अंतिम चरण की घटनाओं को भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया गया।

प्रलय मिसाइल की खासियतें

- एक स्वदेशी ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल
- इसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम , जिससे यह बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम
- यह मिसाइल अलग-अलग तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम
- विभिन्न लक्ष्यों को भेद सकती है, जिससे इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता बढ़ जाती है

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पत्थलगांव जिला-जसपुर के न्यायालय में मामला क्रमां हुईक 202512031100042

विषयः-अ-2

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सतः-2025-2026

पत्थलगांव प.ह.न. 00019 [642/9(0.4050 हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार नसेवती यादव पति दुगामीहन यादव,

अनावेदक पक्षकार छ. ग. शासन,

ईश्तहार

आवेदिका सेवती यादव पति दुगामीहन यादव, जाति महकुल, निवासी पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम तहसील-पत्थलगांव प.ह.न. 19 स्थित ख. नं. 642/9 रकबा 0.4050 हे० (4102.69 वर्गमीटर) आवेदित भूमि का औद्योगिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-।एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 07.01.2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है. अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 07/01/2026 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी
राजस्व पत्थलगांव जिला-जसपुर

नाम परिवर्तन

मै धीरू आ. जगत राम उम्र 71 वर्ष निवासी ग्राम पुटा पोस्ट उदयपुर थाना व तहसील उदयपुर जिला सरगुजा (छ.ग.) शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरा सही व वास्तविक नाम हीरू राम (HIRU RAM) आ. जगत राम है जो कि मेरे परिचय पत्र पासबुक व बीवन में दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम धीरू दर्ज है जो कि गलत है। अतः आज से मुझे मेरे वास्तविक नाम हीरू राम (HIRU RAM) आ. जगत राम के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए।इस संबंध में मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्त्ता
धीरू (DHIRU)

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०
रा०प्र०क्र०-121/2025-26
ग्राम अखोराखुर्द प०ह०नं० उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता ग्राम अखोराखुर्द पाहानं उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रायगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवराम आ०/पति स्था रामहरी खोरापुर्व तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा सत्य में का जन्म दिनांक 05.08.1971 की म अवोतखुर्द घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पजीगन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानतावश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण जीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश। उपरोका जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 30/12 /2025 को मायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। अतः आज दिनांक-15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

जिला कार्यपालिका दण्डाधिकारी
बरियों जिला बलरामपुर

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को दी नव वर्ष की शुभकामना व बधाई

सोनभद्र।जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने जनपदवासियों को नव वर्ष-2026 की बधाई व शुभकामना दी है।जिलाधिकारी ने नये साल की शुभकामना में कहा है कि जनपदवासी जिले में अमन-चैन कायम रखने में सहयोग करते हुए जिले के चौमुखी विकास के भी भागीदार बनते हुए पुनीत कार्यों के हकदार बनें।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

इश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशीर्वाद अग्रवाल आ.स्व. सुरेश अग्रवाल, उम्र 35 वर्ष जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक की माता अंगूरी अग्रवाल पति स्व. सुरेश अग्रवाल एवं अनावेदकगण अरविन्द अग्रवाल वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला सदर रोड़ नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 3196/4817/33 रकबा 0.02% एकड़ भूमि है। आवेदक की माता सह खातेदार अंगूरी अग्रवाल पति स्व. सुरेश अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 17.10.2025 को हो गई है। अतः अंगूरी अग्रवाल पति स्व. सुरेश अग्रवाल की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु भूधारक अंगूरी देवी पति स्व. सुरेश अग्रवाल के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति। पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

नए साल से पहले देशभर के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़, दर्शन के लिए लगी लंबी लाइनें

महाकाल के दरबार में मिनी सिंहस्थ जैसा ही नजारा, करीब 12 लाख श्रद्धालु पहुंचे

भोपाल/नई दिल्ली

महाकाल में श्रद्धालुओं को मात्र 30 से 40 मिनट में दर्शन कराने के लिए नया टनल मार्ग शुरू किया गया है। महाकाल मंदिर में भस्म आरती की ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग 1 जनवरी के लिए बंद रखी गई है

नए साल की पूर्व संध्या पर देश भर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ठंड और कोहरे के बावजूद लोग प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने पहुंचे। जम्मू-कश्मीर से उत्तर प्रदेश तक धार्मिक स्थलों पर भक्तों का तांता लगा हुआ है।

साल के आखिरी दिन भगवान से नई शुरुआत के लिए आशीर्वाद मांगने वालों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि कई जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नाकाफी पड़ गए। लोग नए साल में सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना लेकर आए थे। सर्द हवाओं और घने कोहरे के बीच भी भक्तों का जोश कम नहीं हुआ है। उज्जैन में बाबा महाकाल के दरबार में मिनी सिंहस्थ जैसा नजारा है। प्रशासन का अनुमान है कि नए साल से पहले करीब 12 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा का आशीर्वाद लेने पहुंचे। श्रद्धालुओं को मात्र 30 से 40 मिनट में दर्शन कराने के लिए नया टनल मार्ग शुरू किया गया है। महाकाल मंदिर में भस्म आरती की ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग 1 जनवरी के लिए बंद रखी गई है ताकि सामान्य श्रद्धालुओं को अधिक समय मिल सके। महाकाल की भीड़ ही ओंकारेश्वर पहुंच रही है। लिहाजा, ओंकारेश्वर के रास्ते गाड़ियों का लंबा जाम लगा हुआ है।

- ठंड और कोहरे के बावजूद भक्तों का उत्साह चरम पर
- ओंकारेश्वर के रास्ते गाड़ियों का लंबा जाम लगा हुआ

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी

कहां-कितने श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

- महाकालेश्वर- 10 से 12 लाख
- काशी विश्वनाथ- 5 से 7 लाख
- श्रीजगन्नाथ मंदिर- 4 से 5 लाख
- बांके बिहारी- 3 से 4 लाख
- सांई बाबा- 5 से 6 लाख

वाराणसी में स्पर्श दर्शन पर रोक, 5 घंटे में दर्शन

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा हुआ है। 25 दिसंबर से ही यहां रोजाना 3 से 4 लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने वीआईपी दर्शन और स्पर्श दर्शन पर फिलहाल रोक लगा दी है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। वीआईपी पास पूरी तरह निलंबित कर दिए गए हैं। औसतन 5 घंटे का समय दर्शन में लग रहा है।

वैष्णो देवी में दर्शन के नए नियम

कटड़ा में कड़ाके की ठंड और कोहरे के बावजूद भक्तों का उत्साह चरम पर है। माता वैष्णो देवी भवन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। आज यानी 1 जनवरी 2026 से नए यात्रा नियम लागू किए गए हैं, जिसके तहत दर्शन के बाद भवन क्षेत्र में अधिक समय रुकने पर पाबंदी रहेगी।

प्रशासन कह रहा है

अब मथुरा और वृंदावन न आएं

मथुरा और वृंदावन के मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और भीड़भाड़ वाले समय में बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। यहां भारी भीड़ के कारण होटलों और धर्मशालाओं में पैर रखने की जगह नहीं है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। प्रशासन को कहना पड़ा है कि अब और श्रद्धालु न आएं। जनवरी के बाद ही आएं। भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या को लेकर पुरी जिला प्रशासन का अनुमान है कि भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए करीब 3 लाख भक्तों ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर दर्शन किए हैं।

हजरत जलाल पीर का जश्ने सालाना उर्स हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

रेणुकूट (सोनभद्र) शिवापार्क स्थित हजरत सैय्यद जलाल पीर जश्ने सालाना उर्स विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी भव्य तरीके से हर्षोल्लास के साथ रेनुकूट शहर में जुलूस निकाला गया इस जुलूस में काफी संख्या में अकीदत मंद हिन्दू मुस्लिम समाज के पुरुष महिलाओं तथा बच्चो ने बढ़ - चढ़ कर शिरकत किया , तथा जुलूस में जायरीनो द्वारा काफी आतिशबाजी किया गया जो आकर्षण का केन्द्र बना रहा रेणुकूट के शहर के शिवा पार्क में हजरत जलाल पीर जश्ने सालाना उर्स के मौके पर बाबा की मजार पर हजारों की संख्या में लोगों ने बाबा की जियारत करते हुए जुलूस में शिरकत किया . यह जुलूश रेनुकूट शहर के शिवा पार्क मुहल्ले से निकल कर रेनुकूट स्थित जामा मस्जिद तक जाकर फिर वापसी होकर शिवापार्क स्थित हजरत जलालपीर के आस्ताने पर आया , जहां जुलूस में चल रहे जायरीनो ने मजार शरीफ पर चादर चढ़ाकर सिरनी पेश किया तथा फातिहा पढ़कर अपनी - अपनी दुआए एवं मन्नते मांगी. मजार शरीफ के मुजावर (सेवादार) हजरत जलाल पीर सेवा समिति के प्रबन्धक .तांज बाबा ने बताया कि यह जुलूस पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी जश्ने सालाना उर्स के मौके पर यह जुलूस निकला है जिसमें सभी धर्म समुदाय के लोगों ने शिरकत किया है तथा मजार शरीफ पर अपनी हाजिरी लगाते है गंगा जमुनी की तहजीब कायम करता हुआ ये जुलूस हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक है जुलूस का नेतृत्व पूर्वांचल पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार शेख जलालुद्दीन कर रहे थे आवागमन बाधित न हो इसके लिए बराबर माइक से जुलूस में चल रहे लोगो को हिदायत भी दे रहे थे इस मौके पर रेणुकूट परिक्षेत्र के तमाम पत्रकारों ने भी समाचार कवरेज के लिए जुलूस में शिरकत किये.

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम : ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन (मूल्य संवर्धन) के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के नाम से बाजार में उपलब्ध

यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद ह्यछत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार

प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध

हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफपी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है।

20 हजार मीट्रिक टन क्षमता का केंद्रीय वेयरहाउस

इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है।

पीपीपी मॉडल पर हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट यूनिट की स्थापना

जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

ग्रामीणों और संग्राहकों को स्थायी लाभ

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

दूरस्थ आदिवासी अंचलों को स्वास्थ्य की नई राह – मुख्यमंत्री साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को दिखाई हरी झंडी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। दूरस्थ और घने वनांचल वाले आदिवासी क्षेत्रों में अब स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों के दरवाजे तक पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमनह्व के तहत बुधवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों के संचालन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकार का मानना है कि दुर्गम अंचलों में रहने वाले समुदायों को अस्पताल तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यह व्यवस्था स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे उनके गाँवों व बसाहटों तक पहुँचाएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिटों की तैनाती से प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएँगी। इससे दो लाख से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के

लिए अब इलाज और जाँच की सुविधा गाँव में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को आदिवासी समुदायों की सर्वांगीण भागीदारी और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस आधारह्व बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का दिन है। समाज में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रत्येक दृष्टिकोण से पिछड़े लोग विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग हैं। छत्तीसगढ़ में निवासरत 3 करोड़ की आबादी में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 लाख 30 हजार लोग 18 जिलों के 21 सौ बसाहटों में निवासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट उनके लिए वरदान साबित होगा। इन सर्वसुविधा-संपन्न 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से यह कार्य आसान होगा। इस यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्निशियन और स्थानीय वालंटियर उपस्थित होंगे। इस यूनिट में 25 तरह की जाँच सुविधाएँ तथा 106 तरह की दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने इस नवीन योजना के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जाति के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रयासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट ऐसे सुदूर वनांचलों के लिए हैं जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच कम है। आज 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट पूरे प्रदेश के लिए समर्पित कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूर्ण करेगा। मंत्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने इस पुनीत कार्य में छत्तीसगढ़ को सहभागी बनकर योगदान देने का अवसर प्रदान किया। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना की शुरूआत की। इसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को सीधे बसाहटों तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में मरीज को इन यूनिट के माध्यम से निकट स्वास्थ्य केंद्रों में पहुँचाना आसान होगा। हमारा उद्देश्य सिर्फ मशीनें ही नहीं, अपितु कुशल एवं संवेदनशील कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने 02 स्क्वायर बेलर मशीनों का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर से आधुनिक तकनीक से युक्त 02 स्क्वायर बेलर मशीनों का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मशीनों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं उद्देश्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि स्क्वायर बेलर मशीन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, जो एक घंटे में

लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्र में हार्वेस्टर से कटे हुए पैरा को चौकोर बंडल (बेल) के रूप में तैयार करती है। इन बंडलों का उपयोग आगे चलकर गौ-वंश के लिए चारे के रूप में किया जाएगा, जिससे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह भी जानकारी दी गई कि स्क्वायर बेलर मशीनों के उपयोग से खेतों में पैरा जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। इससे न केवल किसानों को अवशेष प्रबंधन में सुविधा मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण में कमी और गौ संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चारे के सुव्यवस्थित संग्रहण और परिवहन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार किसान हित, गौ संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। स्क्वायर बेलर मशीन जैसी पहल से कृषि अवशेषों का सार्थक उपयोग होगा और किसानों को आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों स्तरों पर लाभ मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मशीनों के नियमित, समुचित और प्रभावी उपयोग के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा, समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि तथा पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पशु रेस्क्यु वाहन से दुर्घटनाग्रस्त पशुओं को मिलेगी त्वरित चिकित्सा सुविधा - उप मुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पशु संरक्षण और संवेदनशील सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पशु रेस्क्यु वाहन का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया। 13 लाख 60 हजार रूपए की लागत के इस वाहन को विजय शर्मा द्वारा विधायक मद से प्रदान किया गया है। लोकार्पण के अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से वाहन की तकनीकी विशेषताओं, उपयोगिता और संचालन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मौके पर ही वाहन का परीक्षण कराते हुए

घायल पशुओं को सुरक्षित रूप से वाहन में लाने एवं ले जाने की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस आधुनिक पशु रेस्क्यु वाहन के माध्यम से सड़क दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से घायल पशुओं को त्वरित रूप से घटनास्थल से पशु चिकित्सालय तक पहुंचाया जा सकेगा। उपचार के उपरांत पशुओं को सुरक्षित रूप से गौशाला अथवा पशु शेल्टर तक ले जाने की भी समुचित व्यवस्था वाहन में उपलब्ध है। इससे घायल एवं असहाय पशुओं को समय पर उपचार मिल सकेगा और उनकी जान बचाने में प्रभावी सहायता मिलेगी।

औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन : छत्तीसगढ़ को और अधिक निवेश-अनुकूल एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की बड़ी पहल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में महत्वपूर्ण संशोधनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन संशोधनों के माध्यम से नीति को अन्य राज्यों की तुलना में और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक, स्पष्ट एवं निवेश-अनुकूल बनाया गया है। इससे राज्य में औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावनाएँ सुदृढ़ हुई हैं। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णयों का मुख्य उद्देश्य राज्य के मूल निवासियों के लिए स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण रोजगार का सृजन सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा रोजगार सृजन अनुदान से संबंधित

नए प्रावधान जोड़े गए हैं। अब 50 से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले विशेष सेक्टर के उद्यम जैसे फार्मा, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, आईटी आदि के एमएसएमई इकाइयों को भी छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को दिए जाने वाले वेतन पर अनुदान प्राप्त होगा। सेवा क्षेत्र के दायरे का विस्तार करते हुए, मंत्रिमंडल ने कंप्यूटर-आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स एवं ऐप-आधारित एग्रीगेटर, तथा एनएबीएल मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक लैब को भी नीति के अंतर्गत सम्मिलित किया है। इन संस्थाओं को अब औद्योगिक विकास नीति के तहत निर्धारित प्रोत्साहन एवं अनुदान का लाभ मिलेगा। पर्यटन एवं स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास को गति देने के उद्देश्य से रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में पाँच सितारा होटलों तथा अन्य जिलों में तीन सितारा होटलों की स्थापना के लिए प्रोत्साहनात्मक संशोधन किए गए हैं। इसी प्रकार राज्य में बड़े निजी मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना को भी बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है।

विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए -

1. मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई।

2. मंत्रिपरिषद ने कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई।

3. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक

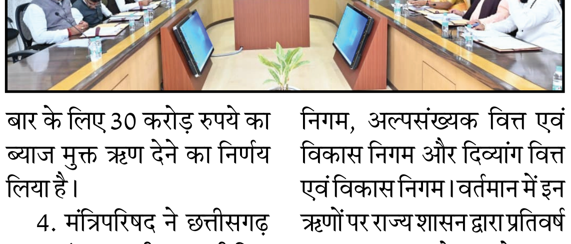

बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है।

4. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया। ये राष्ट्रीय निगम हैं- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम और दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम। वर्तमान में इन ऋणों पर राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। ऋण की पूरी अदायगी होने पर यह ब्याज व्यय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय निगमों से एनओसी (अदेय प्रमाण पत्र) प्राप्त होने पर शासन की ओर से दी गई 229.91 करोड़ रुपये की लंबित गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से राज्य शासन पर वित्तीय बोझ कम होगा और भविष्य में होने वाले अनावश्यक व्यय से बचत सुनिश्चित होगी।

5. मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 40 रू. प्रति क्विंटल की गई। सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता हेतु अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी।

6. मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी। इन संशोधनों से राज्य में निवेश की गुणवत्ता बढ़ेगी, स्थायी रोजगार सृजन होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

7. मंत्रिपरिषद ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित 9वें ऑटो एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफ टाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह छूट एक्सपो में वाहन बिक्री के बाद पंजीकरण के समय लागू होगी, जिससे मोटरयान कर में एकमुश्त 50 प्रतिशत की राहत मिलेगी। पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं को इसका लाभ मिलेगा, इस संबंध में निर्देशित किया गया है।

8. मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में कस्टम मिलिंग के लिए धान उपार्जन एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों के लिए राइस मिलर्स द्वारा दी जाने वाली बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

9. मंत्रिपरिषद द्वारा पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नवीन पद वेतन मेट्रिक्स लेवल-14 एक वर्ष की अवधि के लिए स्थायी रूप से निर्मित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

यातायात नियम, सुरक्षित और व्यवस्थित जीवन की अनिवार्य आवश्यकता : कलेक्टर

0 जिला मुख्यालय में हुआ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आगाज 0 कलेक्टर व एसएसपी बाईक हेलमेट रैली में हुए शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत् नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित करने, दुर्घटना से बचाव के उपाय से लोगों को अवगत कराने, यातायात नियमों की जानकारी सहित यातायात संबंधी विविध आयोजन सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस के द्वारा की जाएगी। यहां जिला मुख्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ कलेक्टर एस. जयवर्धन व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर की मौजूदगी में स्कूली छात्राओं के द्वारा हेलमेट रैली और यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहरभर में कलेक्टर व एसएसपी ने जवानों के साथ बाईक पर हेलमेट जागरूकता रैली निकालकर नगरवासियों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने सशक्त संदेश दिया। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि नागरिक अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें, हम सभी के जागरूक होने, नियमों के पालन करने से सड़क दुर्घटना में कमी आयेगी, हर व्यक्ति की जान काफी कीमती है, बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहे। यातायात नियम केवल निर्देश नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित दैनिक जीवन की एक अनिवार्य आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना रोकने में आपकी जागरूकता ही हमारा सहयोग है। इस अवसर पर एसएसपी

श्री ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह दिनांक 1 से 31 जनवरी तक मनाया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को सावधानी के साथ सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और उनके जीवन को सुरक्षित करना है। जिले में यातायात जागरूकता के 4372 आयोजनों के माध्यम से करीब 7 लाख लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जिसके अच्छे परिणाम रहे। वर्ष 2024 में 435 सड़क दुर्घटना हुई थी जबकि वर्ष 2025 में 428 सड़क दुर्घटना हुई जो वर्ष 2024 के तुलना में वर्ष 2025 में मृत्यु दर में 4 प्रतिशत की कमी आई है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती भी दिखाई गई और वर्ष 2025 में एमव्ही एक्ट के 38309 लोगों के विरूद्ध कार्यवाही कर 14614150 रूपये समन शुल्क तथा 801 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाने पर 7.70 लाख रूपये जुर्माना न्यायालय से हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील किया है जिन्दगी आपकी खुद की है गाड़ी चलाते समय यह जरूर विचार करें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है, अपने परिजनों की खुशियों के बारे में सोचे और यातायात नियमों का पालन करें, बाइक चलाते समय हेलमेट जरूर लगाए, नियमों की अनदेखी ना करें। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी मृत्यु हो जाती है इस हेतु सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डर ऑवर में फौरन मदद करते हुए नजदीक के अस्पताल पहुंचाकर राहवीर बने इससे आपको खुशी की अनुभूति होगी कि आज आपने नेक कार्य कर किसी की जान बचाई है। कार्यक्रम को जिला रेड क्रास सोसायटी के वाईस चेंयरमेन ओंकार पाण्डेय ने संबोधित कर कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पालन करना जरूरी है, सड़क दुर्घटना में मृत्यु की संख्या कम करने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है, हर व्यक्ति की जान महत्वपूर्ण है। सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट पहने और यातायात के पालन नहीं करने वालों की संख्या ज्यादा होती है इसलिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। वरिष्ठ अधिवक्ता गिरजा शंकर मिश्रा ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूर्ण गंभीरता, लगन, समर्पण एवं संवेदनशीलता के भाव से यातायात नियमों के प्रति जागरूकता में लगी हुई है ताकि लोग जागरूक हो, सड़क दुर्घटना में किसी की मृत्यु न हो इसके लिए सभी को यातायात नियमों के पालन को लेकर सजग होना पड़ेगा। मंच का संचालन आरक्षक शशिकांत मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, कोतवाली प्रभारी विमलेश दुबे, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, पुलिस के अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

हरी झण्डी दिखाकर जागरूकता रथ किया गया रवाना

आमजन को सावधानी के साथ सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने व सड़क पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यातायात जागरूकता रथ को कलेक्टर एवं एसएसपी की मौजूदगी में स्कूली छात्रों के द्वारा हेलमेट रैली और यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जवानों को हेलमेट पहनने के निर्देश

एसएसपी ने पुलिस अधिकारी व जवानों को कहा कि खुद सुरक्षित रहे, दूसरों को सुरक्षित रखे और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। आज नए वर्ष से सभी पुलिस अधिकारी व जवानों को अनिवार्य रूप से बाईक चलाते समय हेलमेट पहनने के सख्त निर्देश दिए और कहा कि मोटर सायकल चलाते कोई बिना हेलमेट के दिखा तो संबंधित को दंडित किया जायेगा। सुरक्षित सफर के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है लोगों का नियमों के प्रति जागरूक होना और उनका महत्व समझकर उन्हें अपने जीवन में अपनाना। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है और इसको लेकर लोगों को गंभीर होने की जरूरत है वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें और ट्रैफिक नियम का पालन करें साथ ही साथ अत्यधिक गति से वाहन ना चलायें। यातायात नियमों का पालन कर पुलिस का सहयोग प्रदान करें।

कलेक्टर ने नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई हेतु नोटिस तामीली की स्थिति का लिया जायजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत कैटेगरी सी के ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष 2025 की मतदाता सूची में नाम दर्ज है किन्तु उक्त मतदाता का स्वयं नाम अथवा उनके माता, पिता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नही है। ऐसे मतदाताओं को आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के द्वारा नोटिस जारी कर आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज के साथ सुनवाई स्थल पर उपस्थित होकर सुनवाई किया जाना है। जिला अंतर्गत कुल 10025 मतदाताओं को कैटेगरी सी के रूप में चिन्हांकित किया गया है। ऐसे मतदाताओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के द्वारा नोटिस जारी कर संबंधित मतदान केन्द्रों के बीएलओ के माध्यम से तामिल कराकर बीएलओ ऐप्प में अपलोड कराया जा रहा है। आयोग के निर्देशानुसार ऐसे सभी मतदाताओं को 07 जनवरी 2026 तक शत-प्रतिशत नोटिस तामिल कराया जाना है। मतदान केन्द्रों के बीएलओ के द्वारा मतदाताओं को नोटिस तामिल करने एवं बीएलओ ऐप्प में अपलोड करने की कार्यवाही का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा विधानसभा क्षेत्र 4 प्रेमनगर के मतदान केन्द्र क्र. 57 सूरजपुर-5 एवं मतदान केन्द्र क्र. 124 परसापारा का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी मतदाताओं को निर्धारित तिथि तक शत-प्रतिशत नोटिस तामिल कराते हुये पावती बीएलओ ऐप में अपलोड किये जाने हेतु संबंधित मतदान केन्द्रों के बूथ लेवल अधिकारी को निर्देशित किया गया।

मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान पुष्पेन्द्र शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, श्रीमती शिवानी जायसवाल निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर, अजय मोडियम एसडीएम रामानुजनगर, सूर्यकांत साय तहसीलदार सूरजपुर श्रीमती सरिता राजवाडे नायब तहसीलदार देवनगर उपस्थित रहे।

मधुमक्खियां बनीं रोज़गार की कुंजी, अतिरिक्त आय का सशक्त माध्यम बना मधुमक्खी पालन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। किसानों की आय बढ़ाने एवं ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किसानों को खेती के साथ मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल जिले के किसानों के लिए कम लागत में अधिक लाभ देने वाला वैकल्पिक व्यवसाय बनकर उभरी है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित लाभकारी व्यवसाय है, जिसमें शहद, मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे बहुमूल्य उत्पाद प्राप्त होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन अपनाने हेतु किसानों को निरंतर प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान की जा रही है।

प्रगतिशील किसान उदय राम बने प्रेरणास्त्रोत

विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम मंगरहारा निवासी कृषक श्री उदय राम ने कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर खेती के साथ मधुमक्खी पालन को अपनाया। प्रारंभ में उन्होंने मात्र 2 मधुमक्खी बक्सों से इस व्यवसाय की शुरुआत की थी, जो आज 20 बक्सों तक पहुँच

चुका है। श्री उदय राम की सफलता से प्रेरित होकर ग्राम मंगरहारा के 10 से अधिक परिवारों ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय प्रारंभ किया है और अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। इस प्रकार मधुमक्खी पालन गांव स्तर पर रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

मधुमक्खियों से सालाना गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन

श्री उदय राम वर्तमान में प्रतिवर्ष 400 से 500 किलोग्राम से अधिक गुणवत्तायुक्त शहद का उत्पादन कर रहे हैं। बाजार में उनके शहद की कीमत 500 प्रति किलोग्राम तक मिल रही है। शहद के साथ-साथ मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे उत्पाद भी उन्हें प्राप्त हो रहे हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। श्री उदय राम शहद बेचकर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की जलवायु एवं पर्यावरण मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत अनुकूल है। लघु, सीमांत एवं भूमिहीन किसान भी इस व्यवसाय को बिना अतिरिक्त भूमि के प्रारंभ कर सकते हैं।

5 से 10 मधुमक्खी बक्सों से भी यह कार्य सफलतापूर्वक किया जा सकता है। कम श्रम और सरल प्रक्रिया के कारण महिला और बेरोजगार युवा भी मधुमक्खी पालन को आसानी से अपना सकते हैं। शासन द्वारा मधुमक्खी बक्से एवं कॉलोनियों पर दी जा रही सब्सिडी इस व्यवसाय को और सुलभ बना रही है।

20 हजार वर्गफूट के टेनसाईल डोम में आज होगा बाबा श्याम का भव्य संकीर्तन महोत्सव

0 कलकत्ता के कारीगरों ने सजाया भव्य दरबार
0 श्याम रसोई और बाबा के खजाने को लेकर लोगो मे उत्साह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। श्री श्याम सेवा समिति के द्वारा बाबा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन आज 2 जनवरी को रंगमंच के 20 हजार स्क्वायर फीट के टेनसाईल डोम में किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान करने के साथ श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य आयोजन में श्री श्याम गुणगान शीतला पाण्डेय दिल्ली, पूजा नथानी कलकत्ता तथा अनमोल-शुभम कलकत्ता की जोड़ी विशेष रूप से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के द्वितीय संस्करण में रंगमंच मैदान में नगर पालिका के टेनसाईल डोम के नीचे विशेष रूप से बाबा का खजाना के रूप में भी एक ड्रा का भी आयोजन किया गया है। इसके साथ ही बाबा का अलौकिक श्रृगांर, इत्र वर्षा व श्याम रसोई के साथ बाबा के महोत्सव को लेकर अभी से ही वातावरण धार्मिक हो गया है। आयोजन के दिन पूरा नगर बाबा श्याम की भक्ति से सराबोर रहेगा। आज दो जनवरी का श्याम प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार था और आयोजन समिति के उजार्वान भक्तों के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाबा के दरबार को विशेष रूप से फूलों से सजाने के लिए कलकत्ता के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा के आकर्षक दरबार को मूर्तरूप देने में जुटे हैं। वहीं

श्याम संकीर्तन में पप्पू महाराज के पावन सानिध्य में राहुल अग्रवाल शीश सेवा प्रदान करेंगे तथा ख्याति प्राप्त भजन गायकों के द्वारा बाबा श्याम जी के मनभावन हृदयस्पर्शी भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर एक महीने से चल रही व्यवस्थाओं के बीच आयोजन को सफल बनाने में सुनील अग्रवाल, पप्पल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अमित रोहिल्ला, पवन अग्रवाल, रोहित गर्ग, रूपेश मित्तल, रवि अग्रवाल, राकेश बंसल, प्रियांशु जैन, सचिन अग्रवाल, रवि पाण्डेय, विक्की कुमार, राहुल पाण्डेय, सुमित रोहिल्ला, प्रियांश मित्तल, सचिन अग्रवाल, अंश मित्तल, आशीष, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल सहित श्री श्याम सेवा समिति के सदस्य व आयोजन से जुड़े श्याम प्रेमी श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव की तैयारियों में जी-जान से जुटे है।

नववर्ष पर पिकनिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

सर्तकता व संयमता के साथ नववर्ष उत्सव मनाने की अपील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। नववर्ष के उपलक्ष्य में जिले के पिकनिक स्थलों पर पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिला सेना नायक संजय गुप्ता की देखरेख में जिले के 10 प्रमुख पिकनिक स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। नववर्ष के जश्न को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से नगर सेना की टीम, डीडीआरएफ के गोताखोर और फायर ब्रिगेड की टीमों को तैनात किया गया है। जलप्रपातों, पार्कों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त संख्या में नगर सेना और डीडीआरएफ के जवान मौजूद रहेंगे। फायर ब्रिगेड की टीमों को भी अलर्ट

मोड पर रखा गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या आपात स्थिति में तत्काल बचाव कार्य किया जा सके। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नववर्ष के अवसर पर पिकनिक मनाने आने वाले पर्यटक सुरक्षित और आनंदमय वातावरण में अपना समय बिता सकें। जिला प्रशासन ने पर्यटकों से भी अपील की है कि वे सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सुरक्षा कर्मियों को सूचित करें।

समर्थन मूल्य पर राहुल ने किया 160 बोरी धान का विक्रय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। बरदर धान उपार्जन केंद्र में इस खरीफ सीजन धान विक्रय के लिए पहुँचे किसान श्री राहुल गुप्ता ने कुल 160 बोरी धान का विक्रय किया, जिससे प्राप्त राशि से उनके भविष्य को नई दिशा मिलेगी। खेती को केवल आजीविका नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार मानने वाले राहुल गुप्ता बताते हैं कि धान विक्रय से प्राप्त राशि को वे दोबारा खेती-किसानी में निवेश करेंगे, ताकि आने वाले समय में उत्पादन और भी बेहतर किया जा सके।

राहुल गुप्ता के सपने केवल खेतों तक सीमित नहीं हैं। वे गर्व से बताते हैं कि उनकी बेटी प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना संजोएं कठिन परिश्रम कर रही है। जिसमें पढ़ाई का खर्च काफी अधिक होता है। समर्थन मूल्य पर समय पर मिली धान की राशि से वे अपनी बेटी की शिक्षा में भी सहयोग कर पा रहे हैं। राहुल गुप्ता का कहना है कि शासन की पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से उन्हें समय पर भुगतान मिला, जिससे खेती के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और इस वर्ष भी समय से राशि मिलने की उम्मीद रखते है। उन्होंने कहा कि बिना किसी परेशानी के धान विक्रय और भुगतान की प्रक्रिया ने किसानों को सशक्त किया है। राहुल गुप्ता के परिवार के लिए शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं भी संबल बनी हैं। उनकी माता को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत नियमित सहायता राशि प्राप्त हो रही है, जिससे घरेलू आवश्यकताओं में सहयोग मिल रहा है।

कोयला तस्करों की सरगर्मी से तलाश में जुटी पुलिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान से कोयला तस्करी की लगातार खबरें सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने मामले को गंभीरता से लिया है। साथ ही पुलिस अधिकारियों को कोयला व कबाड़ चोरी जैसे संगीन मामलों में सक्रियता से कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

एसएसपी के निर्देश का असर भी हुआ है, जहां दो दिनों पूर्व जिले की साइबर सेल टीम ने गायत्री खदान से चोरी का कोयला लोडकर बिश्रामपुर की ओर आ रहे ट्राला क्रमांक सीजी 15 एसी 4616 को धर दबोच वाहन चालक व क्लीनर को गिरफ्तार किया था।मामले में गिरफ्तार वाहन चालक रामायण यादव निवासी केनापारा चौकी करंजी एवं अन्य युवक प्रताप सिंह निवासी लैंगा से आवश्यक पूछताछ के बाद मामले में माल के मालिक एवं वाहन स्वामी की सरगर्मी से तलाश कर रही है। बिश्रामपुर टीआई प्रकाश राठौर ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है।

बताया जा है कि महंगई सहित आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में कोयला तस्कर युवकों को आगे कर खदान से कोयला चोरी करा उनसे किलो के भाव में कोयला खरीदी कर रहे हैं और फिर आवश्यकतानुसार जिले सहित संभाग के ईंट भट्ठों में चोरी का कोयला खपा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गत वर्ष भी जब एसएसपी के निर्देश पर कार्यवाही हुई थी, जिसमें दो ट्राला अवैध कोयला को पकड़ पुलिस ने इसी क्षेत्र में कार्यवाही की थी, तब भी इसी वाहन से कोयला तस्करी करते पकड़ा गया था।

अब दो दिन पहले भी दुबारा इसी वाहन से कोयला तस्करी की घटना सामने आने के बाद यह तय हो गया है कि कोयला तस्कर अपने वाहनों का उपयोग दो नंबर के कार्य में ही करते हैं। बताया यह भी जा रहा है कि उक्त कोयला भी क्षेत्र के नामी तस्कर के ईंट भट्ठे में ले जाया जा रहा था।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088 8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

अंत भला तो सब भला, लोक कला हमारी पहचान, इसे सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी-स्वास्थ्य मंत्री

बीते वर्ष की विदाई व नये वर्ष के स्वागत में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ बहरूपिया महोत्सव

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मनेन्द्रगढ़ में आयोजित परंपरागत बहरूपिया महोत्सव भव्यता, अनुशासन और सांस्कृतिक उल्लास के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रंग, रूप और रचनात्मकता से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने लोक परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत की और दर्शकों को देर शाम तक बांधे रखा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि मनेन्द्रगढ़ विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहरूपिया जैसी लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा हैं। इन्हें जीवित रखना समाज और शासन दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और सामाजिक जागरूकता का प्रभावी माध्यम भी बनते हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि लोक कलाकार समाज के दर्पण होते हैं। उनकी प्रस्तुतियों में संस्कृति, संस्कार और संदेश तीनों समाहित रहते हैं। मनेन्द्रगढ़ की यह परंपरा आज भी जीवंत है। यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आयोजन समिति, कलाकारों और नगरवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को शासन स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान बहरूपिया कलाकारों की एकल और सामूहिक

प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। पौराणिक चरित्रों के साथ सामाजिक संदेशों से जुड़ी प्रस्तुतियों ने लोक कला की समृद्ध परंपरा को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण किया गया।

प्रतियोगिता परिणाम इस प्रकार रहे एकल वर्ग में

प्रथम- नरसिंह अवतार का सशक्त अभिनय करने वाले अर्जुन यादव, द्वितीय- हेलमेट के प्रति जागरूकता संदेश देते हुए यमराज का किरदार निभाने वाले पूर्व पार्षद गुरुचरण सिंह एवं तृतीय- करें योग, रहें निरोग का संदेश देने वाली नन्ही प्रतिभागी रही। इसी तरह समूह वर्ग में प्रथम पुरस्कार चिरमिरी के कलाकारों को भील आदिवासियों की शानदार प्रस्तुति के लिये प्रदान किया गया, द्वितीय पुरस्कार दानवीर कर्ण पर आधारित समूह प्रस्तुति एवं तृतीय पुरस्कार भगवान परशुराम और कर्ण के उत्कृष्ट अभिनय के लिये प्रदान किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल समेत पूर्व विधायक गुलाब कमरो, भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष अनिल प्रजापति, पूर्व पार्षद श्यामसुंदर पोद्दार, राहुल सिंह, आशीष सिंह, जयाकर, पंकज जैन संचेती, संजीव ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे।

पीएम-अजय योजना के तहत अनुसूचित जाति हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन कोरिया। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या., कोरिया द्वारा प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 81 इकाइयों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य की पूर्ति 15 मार्च 2026 तक की जानी है। योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र एवं इच्छुक हितग्राहियों से 31 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या., कोरिया के कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश देवांगन ने जानकारी दी है कि योजना के तहत प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से हितग्राहियों को बैंकों से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण राशि का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रुपये (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएम-अजय योजना के अंतर्गत लघु उद्योग एवं व्यापार हेतु विभिन्न आयजनक गतिविधियों के लिए ऋण प्रकरण बैंकों को भेजे जाएंगे। इनमें किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत व दुकान, टीवी-रेडियो-मोबाइल रिपेयरिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना- पत्तल निर्माण सहित अन्य लघु एवं कुटीर उद्योग शामिल हैं। स्थानीय आवश्यकता एवं परिस्थिति के अनुसार अन्य व्यवसाय भी स्वीकृत किए जा सकते हैं।

पात्रता की शर्तें

श्री देवांगन ने बताया कि इस योजना के लाभ के लिए पात्र व इच्छुक आवेदक जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा अनुसूचित जाति वर्ग का होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो तथा किसी भी शासकीय योजना का पूर्व ऋण बकाया न हो। पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार के मापदंडों के अनुसार अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। आवेदन निर्धारित प्रारूप में कार्यालय कलेक्टर, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कोरिया से प्राप्त कर वहीं जमा किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार के इच्छुक अनुसूचित जाति वर्ग के युवक-युवतियों के लिए यह सुनहरे अवसर है। इस योजना से जहां परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर भी मिलेगा।

पक्के शेड की सुविधा से रामलाल का बकरी पालन हुआ आसान और ज्यादा लाभदायक

छ.ग.फ्रंटलाइन कोरिया। वनांचल में रहने वाले परिवारों के लिए बकरी पालन एक पारंपरिक कार्य रहा है। इस कार्य में उन्हे मिलने वाली एक मदद उनके आजीविका में सुधार का एक बड़ा कदम साबित हो रही है। कोरिया जिले के सोनहत जनपद पंचायत मुख्यालय ग्राम में रहने वाले श्री रामलाल के लिए मनरेगा योजना के बने पक्के बकरी पालन शेड ने अब सब कुछ बदल दिया है। वह अब एक उन्नत बकरी पालक बनकर बड़ी संख्या में बकरी पालन कर रहे हैं। इस परंपरागत कार्य में अब उनका पूरा परिवार लगा हुआ है और हर दो तीन माह बाद एक अच्छी आय होने से अब उन्हे रोजगार की कोई चिंता नहीं रह गई है। सोनहत में रहने वाले किसान श्री रामलाल बतलाते हैं कि पहले उनका अपना कच्चा मकान था और मकान के एक हिस्से में अपने लाभ के लिए कुछ बकरियों को रखते थे लेकिन मौसमी बदलाव में बकरियों को पालना बेहद कठिन था और अक्सर उन्हे नुकसान उठाना पड़ता था। गांव में ही एक किसान के पक्के बकरी शेड से प्रभावित होकर उन्होने अपने लिए एक पक्के बकरी पालन शेड की मांग रखी। ग्राम पंचायत द्वारा उनके आवेदन को अनुशंसित किया गया जिससे महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत उनके लिए एक पक्के बकरी पालन शेड की स्वीकृति हुई।

एक लाख पच्चीस हजार रूपए की लागत से ग्राम पंचायत द्वारा रामलाल के लिए एक पक्का बकरी शेड समय पर तैयार कर दिया गया। अब रामलाल के जीवन में रोजगार की चिंता समाप्त हो गई है। वीबी जीरामजी योजना के तहत बने पक्के बकरी पालन शेड से उनके लिए बकरी पालन एक उन्नत व्यवसाय की तरह हो गया है। अब वह एक दर्जन से ज्यादा बकरियों का पालन निश्चिंत होकर करते हैं और उन्हे इससे अच्छा लाभ होने लगा है। किसान रामलाल ने बताया कि बाजार मे बकरे की मांग हमेशा बनी रहती है। ग्राहक घर आकर ले जाते हैं और कीमत भी अच्छी मिल रही है। पिछले महीने ही उन्होने चार बकरे बेचकर तीस हजार का लाभ कमाया है। कुल मिलाकर एक पक्के बकरी शेड से ग्रामीण परिवार के लिए उनका पारंपरिक कार्य ही आजीविका का मुख्य साधन बन चुका है जिससे उनकी आर्थिक निश्चिंतता बढ़ गई है।

धान खरीदी केंद्र सोनहत में खुली लुट का जलवा हमाली के नाम पर प्रबंधक कर दिया कमाल तय मानक से अधिक धान भर्ती किसानों से कराई जा रही

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। विकास खंड सोनहत के सोनहत धान खरीदी केंद्र में किसानों का खुलेआम शोषण प्रबंधक के द्वारा किया जा रहा है प्रत्यक्षदर्शी किसानों का कहना है कि हम धान भरकर खरीदी केंद्र में लाते हैं टोटल पुरी काम हम लोग करते हैं तौल से लेकर धान पलटना सिलाई करना फिर बोरा को पीठ में लादकर ऊपर रखना ये काम सब हम करते हैं हमाली सिर्फ धान की क्वालिटी चेक करते हैं चार पांच आपरेटर एक कृषि अधिकारी धान खरीदी की जांच कर्ता प्रबंधक होने के बावजूद भी किसानों से पुरी काम ली जा रही है प्रबंधक राज नरायन पैकरा से दुरभाष से संपर्क करने पर बोले की हां थोड़ा बहुत जांच धान की कराते हैं सोलह से बीस हमाली अपनी मुख्य काम छोड़कर धान की क्वालिटी चेक करते हैं जबकि अधिकारी कर्मचारी नियुक्त है धान जांच करने हेतु संदेहास्पद स्थिति है धान खरीदी केंद्र पर प्रबंधक राज नरायन पैकरा गुरुवार दिन भर नहीं रहे इसके अलावा ये अधिकांश समय

धान खरीदी केंद्र से गायब ही रहते हैं हमाली के पैसे के नाम पर प्रबंधक मनमाने ढंग से वसूली की जा रही है धान खरीदी केंद्र सोनहत में मुलभुत सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई गई है शासन के स्पष्ट निर्देश के तहत् जहां एक बोरी में चालीस किलो धान भर्ती करनी है वहीं समिति केन्द्र में जबरन किसानों से नौ सौ ग्राम तो कहीं नौ सौ पचास ग्राम तक भर्ती कराई जा रही है किसानों की शोषण खुलेआम हो रही है नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है किसानों का कहना है कि क ई बार शिकायतें करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्ण नींद में सोये हुये है किसानों का शोषण खुलेआम हो रही है जिससे किसानों में आक्रोश और असंतोष लगातार बढ़ रहा है हमाली प्रबंधक शाम को फुल पिकनिक मनाते हैं दिन को प्रबंधक इनको निरीक्षणकर्ता नियुक्त कर दिया जाता है अगर किसान पुरी काम खुद कर रहा है तो हमाली का क्या काम है शासन की पैसे का दुरूपयोग किया जा रहा है

आईटीआई पास आउट युवाओं के लिए सुनहरा अवसर शासकीय आईटीआई चिरमिरी में 15 जनवरी को मारुति सुजुकी ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था चिरमिरी में आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत की नंबर एक पैसेंजर कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा भव्य ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव 15 जनवरी 2026 को प्रातः 10ः00 बजे शासकीय आईटीआई चिरमिरी, जिला कोरिया (छत्तीसगढ़) में आयोजित होगी। इस विशेष प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से योग्य एवं इच्छुक आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी में करियर बनाने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट ड्राइव में मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, वायर मैन, शीट मेटल, सीआई ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, टूल एंड डाई तथा पीपीओ ट्रेड के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। पात्रता के अनुसार जॉइनिंग के समय अभ्यर्थी की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 10वीं कक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत एवं आईटीआई में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अभ्यर्थी का शारीरिक रूप से फिट होना आवश्यक है, जिसमें कोई वर्णांधता, शारीरिक विकृति या अत्यधिक कम अथवा अधिक बीएमआई न हो। चयनित अभ्यर्थियों को आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

बैक मैनेजर की सराहनीय कदम उत्कृष्ट कार्य से जीता ग्राहकों का दिल

छ.ग.फ्रंटलाइन बैंकिंग के क्षेत्र में जहाँ अक्सर काम के दबाव और लंबी कतारों की खबरें आती हैं, वहीं एक्सिस बैंक बैकुंठपुर शाखा के ब्रांच मैनेजर संदीप चक्रबोरती व ऑपरेशन हेड सिंपल गुप्ता ने अपनी कार्यकुशलता और सेवा भाव से एक नई मिसाल पेश की है।

हाल ही में, शाखा में आए वरिष्ठ नागरिकों और किसानों के लिए उन्होंने न केवल बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाया, बल्कि व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान भी किया। उनके

नेतृत्व में इस शाखा ने इस तिमाही में ग्राहकों की संतुष्टि में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य आकर्षण

डिजिटल साक्षरता- मैनेजर साहब ने स्थानीय युवाओं और बुजुर्गों के लिए डिजिटल बैंकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया ताकि वे धोखाधड़ी से बच सकें।

त्वरित ऋण सुविधा- सरकारी योजनाओं के तहत पात्र लोगों को बिना किसी देरी के ऋण उपलब्ध कराने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिलनसार व्यवहार- ग्राहकों का कहना है कि मैनेजर साहब का व्यवहार इतना विनम्र है कि वे किसी भी समस्या के लिए सीधे उनसे संपर्क कर पाते हैं।

स्थानीय निवासियों और व्यापारिक संगठनों ने चक्रबोरती के इस समर्पण की सराहना की है। उच्च अधिकारियों ने भी उनके बेहतरीन प्रदर्शन की काफ़ी तारीफ की हैं!

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा